आज का सुविचार
बुद्धि के सिवाय विचार प्रचार का कोई दूसरा शस्त्र नहीं है, क्योंकि ज्ञान ही अन्याय को मिटा सकता है।
- शंकराचार्य

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

| आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM |

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4>504/2020>22

वर्ष-4 अंक-270 भोपाल, सोमवार 9 अगस्त, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग ITDC
श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी, सोमवार विक्रम, संवत 2078

मौसम ITDC

सूर्योदय/सूर्यास्त	5:54/6:58
वर्षा/बादल %	18 %
नमी %	90 %
वायु (किमी/घं.)	13
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	27°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट ITDC
प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 48,340

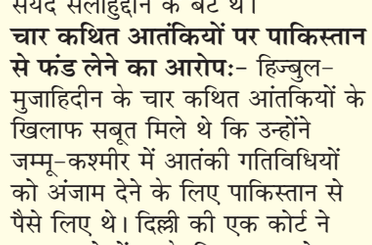

ITDC
green DONOR FORCE
हरियाली सूचकांक
भारत 22%
म.प्र. 32%
माँ प्रकृति की सेवा को भी समय दें

मप्र में बारिश : रीवा और शहडोल संभाग समेत 11 जिलों में कहीं-कहीं तेज बारिश की चेतावनी; भोपाल, इंदौर समेत पूरे प्रदेश में 11 अगस्त तक बूंदाबांदी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल
मौसम विभाग ने रीवा और शहडोल संभागों में कुछ जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया, रीवा और शहडोल संभागों के अलावा गुना समेत 11 जिलों में कहीं-कहीं तेज बारिश हो सकती है। यहां करीब सवा 4 इंच तक पानी गिर सकता है। वहीं, शनिवार को मध्यप्रदेश में सिस्टम कमजोर पड़ गया, जिसका असर रविवार से नजर आने लगा है। प्रदेश में कहीं भी पिछले 24 घंटों में साढ़े 3 इंच से ज्यादा पानी नहीं गिरा है।

5.7 मिमी	2.4 मिमी	2.1 मिमी	0.2 मिमी
इंदौर	भोपाल	ग्वालियर	जबलपुर

यहां बारिश का अलर्ट
रीवा, शहडोल, गुना, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, श्योपुरकलां, भिंड, धार, उज्जैन, राजगढ़, विदिशा, सीहोर और रायसेन जिले में हल्की से तेज बारिश हो सकती है। इसके अलावा ग्वालियर, चंबल, भोपाल, उज्जैन, सागर, इंदौर, होशंगाबाद और जबलपुर संभागों में कई जगहों पर गरज चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं।

इन इलाकों में पानी गिरा
पिछले 24 घंटों के दौरान श्योपुरकलां के वीरपुर में 3.5 इंच, धार शहर में 3 इंच, सरदारपुर में 3 इंच, तिरला में 2 इंच, राजगढ़ के खिलचीपुर में 2.5 इंच, रायसेन के गौहरगंज में 2.5 इंच, अशोकनगर के ईसागढ़ में 2 इंच, झाबुआ के पेटलावद में 2 इंच, गुना में 2 इंच, शिवपुरी के पिछोर में 2 इंच तक बारिश हुई।

अभी यह सिस्टम बना हुआ है
वर्तमान में मध्य प्रदेश के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र में निम्न दाब क्षेत्र कमजोर हो गया है। यह समुद्र तल से करीब 4.5 किमी की ऊंचाई तक फैला है। बंगाल क्षेत्र में अन्य चक्रवातीय एक्टिविटी दक्षिण-पश्चिमी झुकाव के साथ एक्टिव है। मानसून ट्रफ बीकानेर, जयपुर और निम्न दाब क्षेत्र के केंद्र से लेकर सीधी, डाल्टनगंज और दीघा से होते हुए पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी तक फैली है। साथ ही, पश्चिमी विक्षोभ मध्य क्षोभमंडल की पछुआ पवनों के बीच एक ट्रफ के रूप उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।

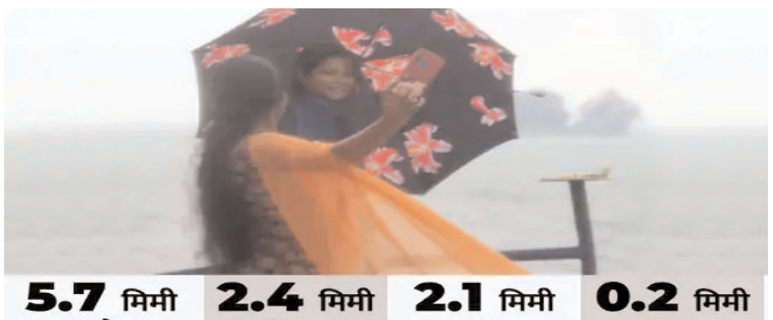

देश में पहली बार वैक्सीन मिक्सिंग : ICMR की स्टडी में दावा-
कोवीशील्ड और कोवैक्सिन की मिक्स डोज से ज्यादा इम्युनिटी बढ़ी

डेल्टा वैरिएंट पर भी कारगर
आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
देश में कोरोना वैक्सीन की मिक्सिंग पर हुई पहली स्टडी के नतीजे ICMR ने जारी किए हैं। स्टडी में कहा गया है कि कोवैक्सिन और कोवीशील्ड की मिक्स डोज से कोरोनावायरस के खिलाफ बेहतर सुरक्षा मिलती है। ढ्ढष्टरूक्र के मुताबिक, एडिनोवायरस वेक्टर प्लेटफार्म वैक्सीन और इनएक्टिवेटेड होल वायरस वैक्सीन का मिक्स डोज लेना सेफ है। इन दोनों वैक्सीन की अगल-अलग डोज से एक ही वैक्सीन के दो डोज की तुलना में बेहतर इम्युनिटी मिलती है।
कोरोना वैक्सीन मिक्सिंग की यह स्टडी ICMR ने मई-जून के बीच में यूपी में की थी। DGCI के एक्सपर्ट पैनल ने कोवीशील्ड और कोवैक्सिन के मिक्स डोज की स्टडी का सुझाव दिया था। इसके बाद क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर को भी वैक्सीन के मिक्स ट्रायल डोज की अनुमति दी गई थी।

इम्यूनिटी बूस्टर है वैक्सीन का मिक्स एंड मैच?

- ऑक्सफोर्ड में हुई Com-COV स्टडी में पता चला कि वैक्सीन मिक्सिंग से एंटीबॉडी ज्यादा बनीं और इम्यून रेस्पॉन्स बेहतर रहा।
- कुछ लोगों को हल्के साइड इफेक्ट्स भी हुए, पर वैज्ञानिकों ने कहा कि ये शॉर्ट टर्म साइड इफेक्ट मजबूत इम्यून सिस्टम की निशानी।

देश में अभी तक 5 वैक्सीन को मंजूरी
देश में पिछले हफ्ते ही जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल डोज वैक्सीन को इमरजेंसी यूज अप्रूवल दिया गया है। कोवीशील्ड, कोवैक्सिन, स्पुतनिक ङ्क और मॉडर्ना के बाद देश में इमरजेंसी यूज अप्रूवल पाने वाली यह 5वीं वैक्सीन है।
ICMR की एक पुरानी स्टडी में भारत बायोटेक की कोवैक्सिन को कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के खिलाफ असरदार बताया गया था।

वैक्सीन की कमी दूर करने में मदद मिलेगी
देश में कोरना की तीसरी लहर की आशंका और डेल्टा वैरिएंट के खतरे के बीच यह स्टडी काफी राहत देने वाली है। मिक्स डोज से वैक्सीन की कमी दूर करने में मदद मिलेगी। वहीं, इससे लोगों में अलग-अलग वैक्सीन के डोज से एडवर्स इफेक्ट्स का डर भी कम होगा।

जजों पर विवादित पोस्ट का मामला सीबीआई ने 5 आरोपी गिरफ्तार किए

सीजेआई ने कहा था- जजों की शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करती जांच एजेंसी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली
आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को लेकर सोशल मीडिया पर विवादित पोस्ट करने के मामले में सीबीआई ने 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि सीबीआई ने इस मामले में 2 लोगों को शनिवार को आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार किया है। वहीं 3 आरोपी पहले ही गिरफ्तार कर लिए गए थे। बता दें ये कार्रवाई जांच एजेंसीज को लेकर सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमना की कड़ी टिप्पणी के बाद हुई है। चीफ जस्टिस ने 2 दिन पहले कहा था कि निचली अदालतों के जज जब धमकियां मिलने की शिकायत करते हैं तो सीबीआई और ढ्ढक्च एक्शन नहीं लेते। चीफ जस्टिस ने ये टिप्पणी धनबाद (झारखंड) के जिला जज की हत्या के मामले की शुक्रवार को सुनवाई के दौरान की थी।

सीजेआई ने कहा था- जांच एजेंसीज बिल्कुल मदद नहीं करतीं:- चीफ जस्टिस ने कहा था, सीबीआई ने कुछ नहीं किया। हम सीबीआई के रवैए में कुछ बदलाव आने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। ऐसे हालात बयां करने पर अफसोस होता है। इस कमेंट के साथ सीजेआई ने जजों की सुरक्षा को लेकर लंबित अर्जी पर केंद्र सरकार से एक हफ्ते में जवाब देने को कहा था। सीजेआई ने ये भी कहा था कि जांच एजेंसीज बिल्कुल मदद नहीं करतीं और मैं कुछ जिम्मेदारी के भाव के साथ ये बात कह रहा हूं। कुछ करना चाहिए। जजों को लेकर विवादित पोस्ट करने के मामले में YSR कांग्रेस के सांसद नंदीगम सुरेश और अमांची कृष्ण मोहन भी जांच के दायरे में हैं।

टेरर फंडिंग केस में छापेमारी
जम्मू-कश्मीर के 14 जिलों में 45 जगहों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) टेरर फंडिंग मामले में आज जम्मू-कश्मीर के 14 जिलों में करीब 45 जगहों पर छापेमारी कर रही है। इन जिलों में श्रीनगर, पुलवामा, कुपवाड़ा, डोडा, किश्तवाड़, रामबन, अनंतनाग, बड़गाम, राजौरी और शोपियां भी शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस और CRPF के साथ मिलकर एनआईए के अधिकारी जमात-ए-इस्लामी के सदस्यों के घर की तलाशी ले रहे हैं। इस संगठन की पाकिस्तान समर्थक और अलगाववादी नीतियों के चलते 2019 में केंद्र सरकार ने इसे बैन कर दिया था। इसके बावजूद यह संगठन जम्मू-कश्मीर में काम कर रहा है। एनआईए ने 10 जुलाई को टेरर फंडिंग मामले में जम्मू-कश्मीर में 6 लोगों को गिरफ्तार किया था। इस रेड से एक दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर सरकार के 11 कर्मचारियों को आतंकी कनेक्शन होने के चलते नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। इसमें से दो आरोपी हिज्बुल-मुजाहिदीन के सरगना सयैद सलाहुद्दीन के बेटे थे।
चार कथित आतंकियों पर पाकिस्तान से फंड लेने का आरोप:- हिज्बुल-मुजाहिदीन के चार कथित आंतकियों के खिलाफ सबूत मिले थे कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तान से पैसे लिए थे। दिल्ली की एक कोर्ट ने इस मामले में उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

असंसदीय शब्द एवं वाक्यांश संग्रह का प्रकाशन अभिनंदनीय प्रयास : मुख्यमंत्री चौहान

» विधानसभा में हुआ पुस्तक का विमोचन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल
मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारी संस्कृति, संस्कार, जीवन मूल्य और शिष्टता यह कहती है कि शब्दों का उचित चयन होना आवश्यक है। संसद तथा विधानसभा में विभिन्न विषयों को प्रस्तुत करते समय कभी-कभी क्रोध, आवेश या आक्रोश में ऐसे शब्द निकल जाते हैं, जो सामान्य शिष्टाचार की परिधि के बाहर होते हैं। शब्दों का चयन ऐसा होना चाहिए, जिससे कोई आहत न हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान विधानसभा सचिवालय द्वारा तैयार की गई पुस्तक फ्असंसदीय शब्द एवं वाक्यांश संग्रह

के विमोचन अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। विधानसभा स्थित मानसरोवर सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम, नेता प्रतिपक्ष श्री कमल नाथ, गृह एवं संसदीय कार्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा तथा पूर्व संसदीय कार्य मंत्री व प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक डॉ. गोविंद सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि संसद और विधानसभा प्रजातंत्र के मंदिर हैं। यहाँ सदस्यों को अपनी बात रखने का अधिकार है। संसद में श्री अटल बिहारी वाजपेयी, श्री इंद्रजीत गुप्त, श्री सोमनाथ चटर्जी जैसे सांसदों की समृद्ध परम्परा रही है। मध्यप्रदेश विधानसभा में भी वरिष्ठ और अनुभवी वक्ताओं के वक्तव्य हुए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा द्वारा असंसदीय शब्द एवं वाक्यांश संग्रह पुस्तक का प्रकाशन अभिनंदनीय प्रयास है। इससे विधायकों और सदन की गरिमा बढ़ेगी। यह पुस्तक सभी के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

मप्र में संक्रमण का खतरा : 24 घंटे में 6 जिलों में 10 नए मामले; पिछले 5 दिनों में 17 जिलों में 80 संक्रमित मिले

सबसे ज्यादा दमोह में 22 केस
आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल
मध्यप्रदेश में रविवार को 6 जिलों में कोरोना संक्रमण के 10 नए मामले सामने आए हैं। भोपाल में सबसे ज्यादा 3 संक्रमित मिले जबकि जबलपुर-इंदौर में 2-2, दमोह, खरगौन और विदिशा में 1-1 पॉजिटिव केस आए हैं। पिछले 5 दिनों में प्रदेश के 17 जिलों में 80 संक्रमित मिले हैं। इसमें सबसे ज्यादा संक्रमित दमोह में 22 मिले हैं। प्रदेश में कोरोना के मामले भले ही कम मिल रहे हो, लेकिन संक्रमण की जद में अलग-अलग जिले आने से चिंता बढ़ते जा रही है। प्रदेश में पिछले 5 दिनों में 17 जिलों में संक्रमण के नए मामले सामने आए है। इसमें सबसे ज्यादा संक्रमित दमोह में 22, इंदौर में 10, भोपाल, जबलपुर, होशंगाबाद में 9 कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं। इसके अलावा सागर में 5, धार में 3, छतरपुर, टीकमगढ़, राजगढ़ में 2-2 केस और सिवनी, मंदसौर, ग्वालियर, कटनी, डिंडौरी, खरगोन, विदिशा में 1-1 मामला मिला है।

यह भी है चिंता का कारण
चेन्नई के इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमैटिकल साइंस की हाल में जारी रिपोर्ट में स्क्क में क्र वैल्यू 1.31 को बताई है, जो नेशनल एवरेज से भी ज्यादा है। विशेषज्ञों ने क्र वैल्यू के बढ़ने को चिंताजनक बताया है। दरअसल, डेटा साइंटिस्ट्स के मुताबिक क्र फैक्टर, यानी रीप्रोडक्शन रेट। यह बताता है कि एक इन्फेक्टेड व्यक्ति से कितने लोग इन्फेक्ट हो रहे हैं या हो सकते हैं। अगर क्र फैक्टर 1.0 से अधिक है तो इसका मतलब है कि केस बढ़ रहे हैं। वहीं, क्र फैक्टर का 1.0 से कम होना या कम होते जाना केस घटने का संकेत होता है।

मप्र में कॉलेज छात्रों को एक और मौका, ओपन बुक पैटर्न से इसी महीने के अंतिम सप्ताह में परीक्षा

जून-जुलाई में एग्जाम में शामिल नहीं होने वाले हो सकेंगे शामिल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश के कॉलेजों के छात्रों को परीक्षा देने का एक और मौका दिया जा रहा है। जून-जुलाई में ओपन बुक प्रणाली से हुई परीक्षा में किसी भी कारण से परीक्षा नहीं दे पाने वाले छात्र इसमें शामिल हो सकेंगे। यह घोषणा उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव ने की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में करीब 18 लाख छात्र-छात्राओं के भविष्य का सवाल है। उन्हें एक और अवसर दिया जा रहा है।

इसके लिए इसी महीने के अंतिम सप्ताह में परीक्षा होगी। सभी कॉलेज और विश्वविद्यालय जल्द प्रक्रिया पूरी करेंगे। छात्र, जो कोरोना की वजह से ओपन बुक परीक्षा में शामिल नहीं हो पाए थे, उनके लिए अब विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा इसी महीने होगी और इसका परिणाम भी जल्द घोषित कर दिया जाएगा। भोपाल में ही यूजी और के करीब 20 हजार छात्रों ने परीक्षा नहीं दी थी।

ओपन बुक से ही परीक्षा होगी

परीक्षा नहीं दे पाने छात्रों को दोबारा विशेष परीक्षा आयोजित की जा रही है। इसमें छात्रों को परीक्षा ओपन बुक प्रणाली से देने का ऑप्शन है। परीक्षा देने के बाद ही छात्र अगली कक्षा व आगे के पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए पात्र होंगे, हालांकि अभी परीक्षा का कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन उच्च शिक्षा विभाग ने सभी को निर्देश दे दिए हैं। उम्मीद है कि जल्द ही यह जारी कर दिए जाएंगे।

अब सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों से खेल प्रतिभाएं तलाशेगी मध्य प्रदेश सरकार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

अब विभिन्न् खेलों में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश का परचम लहराने की कोशिश होगी। राज्य सरकार सुदूर ग्रामीण अंचलों में खेल प्रतिभाएं तलाश कर रही है, जिन्हें खेल अकादमियों में रखकर तराशा जाएगा। इसके लिए प्रदेशभर में टैलेंट सर्च या प्रतिभा खोज करवाई जाएगी। ये स्थानीय पुलिस अधीक्षक की देखरेख में होंगी। इस दौरान खेल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का जिला स्तर पर शारीरिक परीक्षण होगा। इसमें सफल हुए तो संभाग स्तर पर दक्षता परीक्षण और फिर खेल अकादमियों में प्रवेश दिलवाया जाएगा। सरकार ने इसमें 17 खेलों को शामिल किया है। प्रतिभा खोज में 12 से 18 साल आयु वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। यह आयोजन 24 अगस्त से तीन सितंबर तक होगा। टोक्यो में चल रहे ओलिंपिक में भारतीय हॉकी खिलाड़ियों ने 41 साल बाद पदक हासिल कर देश का मान बढ़ाया है। यह सिलसिला आगे भी चलता रहे इसलिए राज्य सरकार उन प्रतिभाओं को तलाश रही है, जो सुदूर ग्रामीण अंचल में दबी हैं और सामने नहीं आ पाती हैं। सरकार ने खासकर आदिवासी खिलाड़ियों पर ध्यान दिया है। प्रतिभा खोज के तहत इस वर्ग के खिलाड़ियों को आगे लाने की कोशिश होगी। आयुक्त जनजातीय कार्य विकास ने इस संबंध में प्रदेश के सभी सहायक आयुक्त और जिला संयोजकों को निर्देश जारी किए हैं।

खिलाड़ियों को ऑनलाइन करना होगा आवेदन: प्रतिभा खोज में शामिल होने के इच्छुक विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके लिए टेलेंट सर्च की तारीख घोषित होने पर खेल विभाग एक लिंक जारी करेगा। वहीं स्कूली विद्यार्थियों के जिला एवं संभाग स्तर तक चयन प्रक्रिया में शामिल होने पर उनका किराया और भोजन खर्च संस्था देगी।

इन खेलों की प्रतिभाएं तलाशी जाएंगी:- हाकी (महिला एवं पुरुष), शूटिंग, घुड़सवारी, क्रिकेट (पुरुष), बैडमिंटन, तीरंदाजी, एथलेटिक्स और ट्रायथलॉन, मार्शल आर्ट खेल (कुश्ती, कराते, जूडो, बॉक्सिंग, फेंसिंग, ताईक्वांडो, कैनोइंग), कयाकिंग व कैनोइन, सैलिंग आदि। खिलाड़ियों के साथ आएंगे शिक्षक प्रतिभा खोज के लिए स्कूलों से जिला व संभाग स्तर तक बुलाए जाने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी शिक्षकों को सौंपी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

मप्र में अतिथि विद्वानों के लिए अवसर:सरकारी कॉलेजों के अतिथि विद्वानों का कैलेंडर जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश के सभी सरकारी कॉलेजों के शिक्षा सत्र 2021-22 के लिए अतिथि विद्वानों के आमंत्रण के लिए कैलेंडर जारी कर दिया गया है। कुछ संशोधनों के साथ उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि अतिथि विद्वान आमंत्रण के संबंध में कैलेंडर अनुसार चॉइस फिलिंग की जाएगी। यह चॉइस फिलिंग 16 अगस्त से होगी। इसके लिए विद्वानों को तीन दिन का समय रहेगा। उनहें 18 अगस्त तक अपनी जानकारी अपडेट कराना होग। इसमें अतिथि विद्वानों की पुन: योग्यता अपडेट करने का अवसर रहेगा। नई नियुक्ति स्थानांतरण के फलस्वरुप फॉलेन आउट अतिथि विद्वानों के विकल्प भरने का अवसर 20 अगस्त से 27 अगस्त के बीच रहेगा। मेरिट के अनुसार अतिथि विद्वानों को कॉलेज का आवंटन 28 अगस्त को किया जाएगा। संबंधित कॉलेज में 31 अगस्त से 10 सितंबर के बीच अतिथि विद्वानों को कॉलेज में अपना कार्यभार ग्रहण करना होगा। इसके बाद रिक्त पदों के आधार पर प्रत्येक सप्ताह विकल्प भरने एवं मेरिट अनुसार आवंटन किया जाएगा।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म बना आस्था और नमामि का सहारा

भोपाल। होशंगाबाद के ब्लॉक बनखेड़ी निवासी आस्था शर्मा को सोशल मीडिया प्लेटफार्म के सही उपयोग ने उसे और उसकी बहन नमामि को महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित स्पॉन्सरशिप योजना से लाभ मिला है। योजना के तहत दोनों बहनों को शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं अन्य जरूरी आवश्यकताओं के लिए प्रतिमाह 2 -2 हजार रुपए दी जाएगी। गौरतलब है कि बालिकाओं के पिता की कोविड के कारण मृत्यु हो गई थी। साथ ही उनकी माता भी गंभीर बीमारी से ग्रसित है। कमजोर आर्थिक स्थिति के चलते बालिका आस्था शर्मा द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर मुख्यमंत्री जी से सहायता मांगी गई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से प्राप्त सूचना के आधार पर होशंगाबाद जिला प्रशासन एवं संचालक महिला बाल विकास श्रीमती स्वाति मीणा नायक द्वारा तत्परतापूर्वक कार्रवाई कर 24 घंटे के अंदर बालिकाओं को स्पॉन्सरशिप योजना से लाभान्वित किया गया है।

मप्र में जबलपुर समेत 10 जिलों में सूखे के हालात

पिछले हफ्ते सूखे जिलों की संख्या 7 थी, वहीं गुना और श्योपुर में 7 दिन में दो माह के बराबर पानी गिरा

इंदौर रेड जोन से निकला, भोपाल सामान्य

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश में समय से 7 दिन पहले जोरदार दस्तक देने वाले मानसून के कारण इस बार प्रदेश में कहीं बाढ़ के हालत बने हुए हैं, तो कहीं लोगों को बारिश का इंतजार है। गुना और श्योपुर में तो एक सप्ताह में दो माह जितनी बारिश हो गई। इस कारण कई जगह बाढ़ ने तबाही मचा दी है, लेकिन कई जगह पानी नहीं गिरने से लोग परेशान हैं। राहत की बात इंदौर के लिए है कि वहां अब धीमी रफ्तार से ही सही मानसून पटरी पर लौटता दिख रहा है। अभी भी वहां बारिश का कोटा पूरा होने के लिए करीब 20 फीसदी पानी की दरकार है। मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि भोपाल की स्थिति सामान्य है, लेकिन जबलपुर में हालत चिंताजनक हो गए हैं। एक सप्ताह पहले तक प्रदेश के इंदौर, धार, खरगोन, बड़वानी, पन्ना, दमोह और बालाघाट रेड जोन में थे, लेकिन अब इनकी संख्या बढ़कर 10 हो गई है। इंदौर इससे बाहर आ गया है।

MP में कम बारिश वाले 5 जिले

जिला	सामान्य बारिश	बारिश हुई	कमी
खरगोन	16 इंच	10 इंच	39%
बड़वानी	15 इंच	9 इंच	39%
दमोह	23 इंच	14 इंच	39%
धार	19 इंच	12 इंच	35%
पन्ना	16 इंच	31 इंच	31%

6 जिलों में सामान्य से 163 फीसदी तक ज्यादा पानी गिर चुका

प्रदेश में मानसून कहीं ज्यादा मेहरवान हो गया, तो कहीं लोग उसके आने के इंतजार में है। श्योपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, गुना, राजगढ़ और सिंगरौली में सामान्य से 73 फीसदी से लेकर 163 फीसदी तक पानी ज्यादा गिर चुका है। यहां पर बीते एक सप्ताह में उतना पानी गिर चुका है, जितना एक जून से लेकर 31 जुलाई तक गिरा था। इसी कारण इन इलाकों में बाढ़ के हालत बन गए।

बढ़ सकती है सूख प्रभावित जिलों की संख्या

अभी की स्थिति में 10 जिलों में सामान्य से काफी कम बारिश हुई है। धार, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, पन्ना, दमोह, कटनी, जबलपुर, सिवनी और बालाघाट में लोगों को अच्छी बारिश होने का इंतजार है। अगले कुछ दिन बारिश नहीं होती है, तो इंदौर, छिंदवाड़ा, झाबुआ, हरदा, होशंगाबाद और खंडवा भी रेड जोन में आ सकते हैं। यहां पर अभी तक सामान्य से 10 से लेकर 19 फीसदी तक पानी कम गिरा है।

यहां स्थिति बेहतर

भोपाल, उज्जैन, सीधी, रीवा, रायसेन, नीमच समेत अन्य जिलों में इस बार मानसून सामान्य गति से चल रहा है। हालांकि, विदिशा, शाजापुर, राजगढ़, आगर, मंदसौर, ग्वालियर, भिंड ज्यादा बारिश हुई, लेकिन हालत काबू में है।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल द्वारा रेडक्रॉस एम्बुलेंस लोकार्पित

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने रेडक्रॉस सोसायटी राज्य इकाई की एम्बुलेंस को आज राजभवन में लोकार्पित कर झंडी दिखा कर रवाना किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल को बताया गया कि एम्बुलेंस आपातकालीन, अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं से युक्त है। एम्बुलेंस में वेंटिलेटर, कार्डिक मॉनिटर, इनफ्यूजन पंप, सक्शन पंप, ऑक्सीजन सिलेंडर, एयर कंडीशनर ऑटोलोडर,स्पिन बोर्ड, हेड इमोबलाइजर, व्हीलचेयर, यू.पी.एस. और फाइबर इन्टीरियर्स लगे हैं। इसके साथ ही एम्बुलेंस क्रिटिकल केयर और जीवनरक्षक उपकरणों से सुसज्जित है। इस अवसर पर राज्यपाल के अपर सचिव श्री मनोज खत्री, विधि अधिकारी श्री डी.पी.एस. गौर, राज्यपाल के चिकित्सक डॉ. बी.के. श्रीवास्तव, सिविल सर्जन जे.पी अस्पताल डॉ. राकेश श्रीवास्तव एवं रेडक्रॉस के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राजभवन से एम्बुलेंस को झंडी दिखा कर किया रवाना

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कचनार का पौधा लगाया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने प्रतिदिन एक पौधा लगाने के संकल्प में आज स्मार्ट उद्यान में कचनार का पौधा रोपा। कचनार सुंदर फूलों वाला वृक्ष है। कचनार के छोटे अथवा मध्यम ऊँचाई के वृक्ष पूरे भारत में सर्वत्र पाए जाते हैं। प्रकृति ने कई पेड़ पौधों को औषधीय गुणों से भरपूर रखा है। इन्हीं में से कचनार एक है। मार्च मध्य के बाद फूलों से लदने वाले इस पेड़ की पत्तियाँ, तना व फूल आदि सभी उपयोगी हैं। कचनार की गणना सुंदर व उपयोगी वृक्षों में होती है। इसकी अनेक प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

मप्र में बाढ़ के बाद पहली बड़ी कार्रवाई

श्योपुर में हालात पर काबू नहीं कर पाने पर कलेक्टर-एडीएम और एसपी को हटाया, केंद्रीय मंत्री की गाड़ी पर पीड़ितों ने फेंका था कीचड़

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

ग्वालियर-चंबल अंचल में आई बाढ़ के बाद प्रदेश सरकार ने पहली बड़ी कार्रवाई की है। श्योपुर में हालातों पर तत्काल नियंत्रण नहीं कर पाने और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के वाहन पर कीचड़ फेंकने के मामले में कलेक्टर राकेश कुमार श्रीवास्तव और एसपी संपत उपाध्याय को रविवार को हटा दिया गया है। कुछ घंटे बाद श्योपुर ADM रूपेश उपाध्याय को उनके पद से हटाया गया है। श्योपुर के नए कलेक्टर 2013 बैच के ढ्ढस शिवम वर्मा होंगे। शिवम वर्मा अभी ग्वालियर नगर निगम में आयुक्त हैं, जबकि अनुराग सुजानिया को श्योपुर का नया एसपी बनाया गया है। त्रिभुवन नारायण सिंह को श्योपुर के नए ष्ठरूहोंगे। रविवार सुबह भोपाल से तबादला के आदेश जारी हो गए हैं। जिन जिलों में बाढ़ ने तबाही मचाई है अभी वहां इस तरह की और भी कार्रवाई देखने को मिल सकती है। अंचल में बाढ़ की तबाही की शुरुआत श्योपुर जिले से हुई थी। सबसे पहले नदियों के पानी ने यहां तबाही मचाई थी। यहां यह हालात थे कि 1 से 2 मंजिल मकान पानी में डूब गए थे। इसके बाद बाढ़ और उफनती नदियों ने शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया में तबाही मचाई। बाढ़ आने के 6 दिन बाद भी सबसे ज्यादा हालत श्योपुर के खराब हैं। यहां लोग खाने-पीने के सामान के लिए परेशान हो रहे हैं। शनिवार केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर जब श्योपुर के दौरे पर पहुंचे थे तभी भी बड़े स्तर पर प्रशासनिक और पुलिस की लापरवाही सामने आई थी। केन्द्रीय मंत्री पर लोगों का गुस्सा फूटा था। गुस्से में लोगों ने मंत्री की गाड़ी तक पर कीचड़ फेंक दिया था।

रविवार को सामान्य प्रशासन विभाग से जारी सूची में श्योपुर कलेक्टर के तबादला कर उनको उप सचिव मध्य प्रदेश शासन बनाया गया है, जबकि 2013 बैच के ढ्ढस और अभी नगर निगम ग्वालियर के आयुक्त शिवम वर्मा को श्योपुर कलेक्टर बनाया गया है। वहीं अनुराग सुजानिया ग्वालियर में ढ्ढल (महिला अपराध) थे जबकि संपत उपाध्याय को पुलिस मुख्यालय भोपाल ढ्ढल बनाकर भेजा गया है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा स्टील बीएसएल ने ओडिशा में 'यूवी ऑक्सिडेशन' संयंत्र स्थापित किया

नई दिल्ली। टाटा स्टील बीएसएल लिमिटेड ने कोक अवन अपशिष्ट जल में साइनाइड के शोधन के लिए ओडिशा के ढेंकनाल जिले में अपने प्रतिष्ठान में इस्पात उद्योग में दुनिया का पहला अल्ट्रावाइलेट (यूवी) ऑक्सीकरण संयंत्र स्थापित किया है। साइनाइड एक घातक प्रदूषक है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यूवी ऑक्सीकरण इकाई की स्थापना मूल कंपनी टाटा स्टील की अनुसंधान एवं विकास टीम के सहयोग से की गयी है। इस्पात कंपनी ने कहा कि कोक अवन अपशिष्ट जल में साइनाइड के शोधन की पारंपरिक विधि को ठोस गाद पृथक्करण प्रौद्योगिकी कहा जाता है। इसमें कहा गया कि यूवी ऑक्सीकरण प्रौद्योगिकी से नरेंद्रपुर संयंत्र में प्रति घंटे 80 घनमीटर अपशिष्ट जल के शोधन की क्षमता के साथ इस समस्या का समाधान करने में मदद मिलेगी। टाटा स्टील बीएसएल के मुख्य परिचालन अधिकारी सुबोध पांडे ने कहा, साइनाइड से निपटने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक इसे ऑक्सीकरण द्वारा पूरी तरह से नष्ट करना है। उन्होंने कहा कि यूवी ऑक्सीकरण संयंत्र से कंपनी को यह उद्देश्य हासिल करने में मदद मिलेगी। टाटा स्टील बीएसएल पूर्व में भूषण स्टील लिमिटेड के तौर पर जानी जाती थी।

रेडी-टू-कुक इडली, डोसा, दलिया मिक्स पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा : एएआर

नई दिल्ली। कृष्णा भवन फूड्स एंड स्वीट्स ने एएआर की तमिलनाडु पीठ में एक याचिका दी थी जिसमें किसी ब्रांड नाम के तहत बेचे जाने वाले बाजरा, ज्वार, रागी और मल्टीग्रेन दलिया मिक्स जैसे 49 उत्पादों पर लागू जीएसटी दर को लेकर फैसला सुनाने की अपील की गयी थी। एएआर ने कहा कि कंपनी द्वारा बेचे जाने वाले उत्पाद चूर्ण के रूप में बेचे जाने वाले खाद्य पदार्थ हैं। एएआर ने कहा, डोसा मिक्स और इडली मिक्स को पैक करके मिक्स के रूप में बेचा जाता है जिसे पानी/उबला हुआ पानी/दही के साथ मिलाकर घोल बनाया जाता है और जो उत्पाद बेचा जाता है वह चूर्ण होता है, बैटर नहीं। वे सभी 49 उत्पाद जिनके लिए फैसला सुनाने की मांग गयी है।

आपके कैमरा एक्सपीरियंस को बदलेगी आईफोन 13 सीरीज, लिडार सेंसर और वीडियो पोर्ट्रेट मिलेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

एपल के आईफोन साल में एक बार ही लॉन्च होते हैं, पर जब भी लॉन्च होते हैं खबरों में बने ही रहते हैं। लॉन्च के पहले भी और लॉन्च के बाद भी। इस साल 14 सितंबर को आईफोन 13 सीरीज लॉन्च हो सकती है। इस नई सीरीज में क्या वो खास फीचर्स होंगे, जो इसे पिछले आईफोन्स के मुकाबले ज्यादा बेहतर बनाएंगे। आज हम इसी के बारे में बात करते हैं...

लिडार सेंसर

लिडार सेंसर या लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सेंसर पिछले साल आईफोन 12 प्रो सीरीज में पहली बार शामिल किए गए थे। लिडार सेंसर, सेल्फ ड्राइविंग कार में भी धड़ल्ले से इस्तेमाल होते हैं, पर आईफोन में इन सेंसर का मुख्य काम तो लो लाइट सिनेरियो में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग की मदद से ज्यादा बेहतर कैमरा परफॉर्मेंस देना होता है। साथ ही, ऑग्मेंटेड रियलिटी के एक्सपीरियंस को भी लिडार सेंसर ज्यादा बेहतर बना देते हैं।

व्लॉगिंग के लिए बेहतर

आईफोन 13 में सेल्फी कैमरा बहुत जबरदस्त होगा। खबरें हैं कि ये अब तक दिए गए आईफोन्स की तुलना में सबसे बेहतरीन सेल्फी कैमरा होगा। उम्मीद है कि मेगापिक्सल के हिसाब से भी सेल्फी कैमरा बेहतर होगा। लो लाइट में भी अच्छी सेल्फी आए, इसका भी इंतजाम रहेगा। साथ ही, पोर्ट्रेट मोड में भी बढ़िया सेल्फी आएंगी।

वीडियो पोर्ट्रेट

जिस फीचर के लिए आईफोन 13 सीरीज शायद सबसे ज्यादा जानी जाएगी, वो इसमें आने वाला वीडियो पोर्ट्रेट फीचर होगा। 2016 से आईफोन्स में पोर्ट्रेट मोड की शुरुआत हुई। पोर्ट्रेट मोड की मदद से आप जिसकी तस्वीर खींच रहे हैं, उस सब्जेक्ट को बैकग्राउंड से अलग और ज्यादा खूबसूरत तरीके से कैप्चर किया जा सकता है। बैकग्राउंड बड़े अच्छे तरीके से धुंधला हो जाता है और जिसकी आप तस्वीर खींच रहे हैं, वो सब्जेक्ट काफी उभर के कैप्चर होता है। या दूसरे पैनकेक लेंस की मदद से होता है। यहां आईफोन 13 सीरीज में वीडियो पोर्ट्रेट- आईफोन 13 के बेहतरीन कैमरा और सॉफ्टवेयर की मदद से किया जाएगा। वीडियो पोर्ट्रेट का फीचर आने के बाद आईफोन 13 निर्विवाद रूप से सबसे बेहतरीन कैमराफोन बन जाएगा।

बाजार में रिकॉर्ड तेजी का फायदा

टॉप-10 में से 9 कंपनियों का मार्केट कैप 2.22 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

TCS और रिलायंस सबसे आगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

शेयर बाजार में रिकॉर्ड बढ़त का फायदा कंपनियों को भी हो रहा है। मार्केट कैप के लिहाज से टॉप 10 में 9 कंपनियों का मार्केट कैप हफ्तेभर में 2.22 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसमें टाटा ग्रुप की IT कंपनी TCS सबसे आगे रहा। कंपनी का मार्केट कैप 52,766 करोड़ रुपए बढ़ा है, जो 6 अगस्त को मार्केट बंद होने पर 12.24 लाख करोड़ रुपए रहा।

हफ्तेभर में सेंसेक्स और निफ्टी 3-3 फीसदी से ज्यादा चढ़े

बीते हफ्ते सोमवार से शुक्रवार के दौरान निफ्टी 517 पॉइंट या 3.28 फीसदी बढ़कर 16,280 पर बंद हुआ। इसी तरह सेंसेक्स भी 1,690 पॉइंट या 3.22 फीसदी चढ़कर 54,277 पर बंद हुआ है। इस दौरान सेंसेक्स ने 5 अगस्त को ऑलटाइम हाई 54,717.24 को भी छुआ। बाजार को बैंकिंग शेयरों ने बढ़त को सपोर्ट किया। निफ्टी बैंक इंडेक्स 1,300 पॉइंट चढ़कर 35,884 पर बंद हुआ है। इसके अलावा IT शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। निफ्टी IT इंडेक्स 3 फीसदी तक चढ़ा।

टॉप-10 कंपनियों के शेयर्स हफ्तेभर में 8% तक चढ़े

कंपनी	शेयर प्राइस (रुपए में)	हफ्तेभर में बढ़त (%)
रिलायंस इंडस्ट्रीज	2,089	2.64
TCS	3,310	4.50
HDFC बैंक	1,493	4.76
इंफोसिस	1,650	2.49
हिंदुस्तान यूनिलीवर	2,374	1.73
ICICI बैंक	697	2.15
HDFC	2,633	7.88
SBI	435	0.91
बजाज फाइनेंस	6,228	-0.01
कोटक महिंद्रा बैंक	1,778	7.49

मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस सबसे आगे

बाजार में खरीदारी के सेंटीमेंट से लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप तेजी से बढ़ा। इसमें TCS के साथ-साथ रिलायंस का मार्केट कैप भी 34 हजार करोड़ रुपए बढ़कर 13.24 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो एक्सचेंज पर लिस्टेड किसी भी अन्य कंपनी से ज्यादा है। बैंकिंग और फाइनेंशियल शेयरों में तेजी से HDFC बैंक का मार्केट कैप भी 37,563 करोड़ रुपए बढ़ा है। अब बैंक की मार्केट वैल्यू 8.26 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

इंफोसिस का मार्केट कैप 7 लाख करोड़ के पार पहुंचा

हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन का मार्केट कैप भी 34,173.81 करोड़ रुपए चढ़कर 4.74 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसी तरह कोटक महिंद्रा बैंक ने 24,585 करोड़ रुपए जोड़े। इससे बैंक का मार्केट कैप 3.52 लाख करोड़ रुपए हो गया है। IT कंपनी इंफोसिस का मार्केट कैप भी 17 हजार करोड़ रुपए बढ़कर 7.02 लाख करोड़ रुपए हो गया है। जबकि ICICI बैंक का मार्केट कैप 10,181 करोड़ रुपए बढ़कर 4.83 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

FMCG कंपनी हिंदुस्तान युनीलिवर लिमिटेड का मार्केट कैप 8,705.23 करोड़ रुपए बढ़कर 5.57 लाख करोड़ रुपए हो गया है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक SBI का मार्केट कैप 3,525.22 करोड़ रुपए बढ़कर 3.88 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

9,999 रुपए में इलेक्ट्रिक हार्ले डेविडसन

100 फीसदी इंडियन कंपोनेंट वाला ई-ऑटो, एक्सट्रा कमाई के लिए ऐड के एलईडी डिस्प्ले वाला ई-रिक्शा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली में इलेक्ट्रिक गाड़ियों का मेला EV एक्सपो 2021 लगा हुआ है। अगर आप गाड़ियां और एक्सेसरी देखने नहीं आ पाए हैं, तो कोई बात नहीं। आपको ईवी एक्सपो की कुछ बानगी हम यहां दिखा रहे हैं। ई-व्हीकल एक्सपो में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर से लेकर ई-रिक्शा, लोडर और ऑटो पेश किए हैं। यहां तकरीबन 25 स्कूटर और 6-7 हाई-लो स्पीड बाइक, लगभग 10 लोडर्स और इतने ही ई-रिक्शा आए हैं। इनमें से कुछ पहले से बाजार में हैं, तो कुछ लॉन्च हो चुके हैं और कुछ चंद महीनों में आने वाले हैं।

यहां निजी इस्तेमाल के लिए आए टू-व्हीलर में कई लो और हाई स्पीड वाली बाइक और स्कूटर हैं। इनमें सबसे महंगी, दो हाई स्पीड बाइक्स (टेरा और रेमोटोस) लगभग 1.05 लाख रुपए की हैं। दिल्ली की अल्टियस ऑटो की हाई स्पीड बाइक सब्सिडी के साथ 45 हजार में आई है। यह एक बार चार्ज होने पर 120 किलोमीटर चल सकती है। एक कंपनी दिखने में कुछ-कुछ हार्ले डेविडसन जैसी

बाइक लेकर आई है। जल्द 79,999 रुपए में कमर्शियल लॉन्चिंग वाली इस बाइक में 8.5 इंच मोटे टायर लगे हैं। यह एक चार्जिंग में 60 किलोमीटर जा सकती है। कंपनी पुरानी बाइक को 35 हजार में इलेक्ट्रिक बनाने का ऑफर भी दे रही है। कस्टमाइज्ड बाइक में ओला के ई-स्कूटर की तरह बैक गीयर भी होंगे। एक दिलचस्प लॉन्चिंग एनसीआर के सोनी ई-व्हीकल्स की भी रही है। उसने कस्टमाइज्ड ई-फूड कार्ट पेश किया है। उसमें खाना गरम रखने के लिए एक सिलेंडर की पर्याप्त जगह है। इसमें दूसरे सामान रखने और मेन्यू डिस्प्ले के लिए भी जगह है। वैसे इस कंपनी के पास ई-ऑटो के आठ मान्यताप्राप्त मॉडल भी हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा का बंपर मुनाफा ब्याज से कमाई 15.7 फीसदी बढ़ी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बैंक ऑफ बड़ौदा ने फाइनेंशियल ईयर की जून तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में बैंक घाटे से मुनाफे में आया है। बैंक को अप्रैल से जून के दौरान 1208 करोड़ रुपए का प्रॉफिट हुआ है, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 864 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

ब्याज से कमाई 15.7 फीसदी बढ़ी

बैंक की ब्याज से कमाई 15.7 फीसदी बढ़ी है। यह जून तिमाही में 7892 करोड़ रुपए रही, जबकि साल भर पहले की समान तिमाही में 6816 करोड़ रुपए थी।

NPA में मामूली कमी आई

बैंक का नेट नॉन परफॉर्मिंग असेट्स 3.03 फीसदी रहा, जो मार्च तिमाही में 3.09 फीसदी था। वहीं ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग असेट्स 8.86 फीसदी रहा, जो मार्च तिमाही में 8.87 फीसदी था।

घाटे से मुनाफे में आया बैंक ऑफ बड़ौदा

जून तिमाही, 2020-21	जून तिमाही, 2021-22
घाटा ₹864 करोड़	मुनाफा ₹1208 करोड़
ब्याज से कमाई ₹6816 करोड़	ब्याज से कमाई ₹7892 करोड़

जून तिमाही में लोन प्रतिशत बढ़ा

एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक सालाना आधार पर ऑर्गेनिक रिटेल लोन 11.8 फीसदी बढ़े हैं। वहीं ऑटो लोन में 25 फीसदी का इजाफा और पर्सनल लोन में 19.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जून तिमाही में भारतीय रिजर्व बैंक ने 44.2 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई है। बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर शुक्रवार को NSE पर 1.27 फीसदी की तेजी के साथ 83.50 रुपए पर बंद हुआ।

बिजली विधेयक के प्रावधान देशहित में नहीं : संजय राउत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि केंद्र का बिजली (संशोधन) विधेयक देशहित में नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि इस विधेयक पर राज्यों के साथ चर्चा नहीं की गई। इससे पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर इस विधेयक को रोकने का आग्रह किया। बनर्जी ने कहा कि इस मुद्दे पर पहले व्यापक और पारदर्शी तरीके से विचार-विमर्श होना चाहिए। बिजली (संशोधन) विधेयक, 2021 के तहत बिजली उपभोक्ताओं को दूरसंचार क्षेत्र की तरह अपनी पसंद के सेवाप्रदाता को चुनने का विकल्प मिलेगा। लोकसभा के 12 जुलाई, 2021 को जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार ने संसद के मौजूदा सत्र में 17 नए विधेयक पेश करने के लिए सूचीबद्ध किए हैं। इनमें बिजली (संशोधन) विधेयक भी है। राउत ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में दावा कि यदि यह विधेयक पारित होता है, तो इससे राज्य बिजली कंपनियां बुरी तरह प्रभावित होंगी। राज्यसभा सदस्य ने इसके प्रावधानों पर राज्यों और अंशधारकों के साथ विचार-विमर्श नहीं करने पर केंद्र की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये प्रावधान राज्य बिजली कंपनियों के लिए खतरे की घंटी हैं। ''हमारी पार्टी इस बारे में विचार-विमर्श कर रही है।''

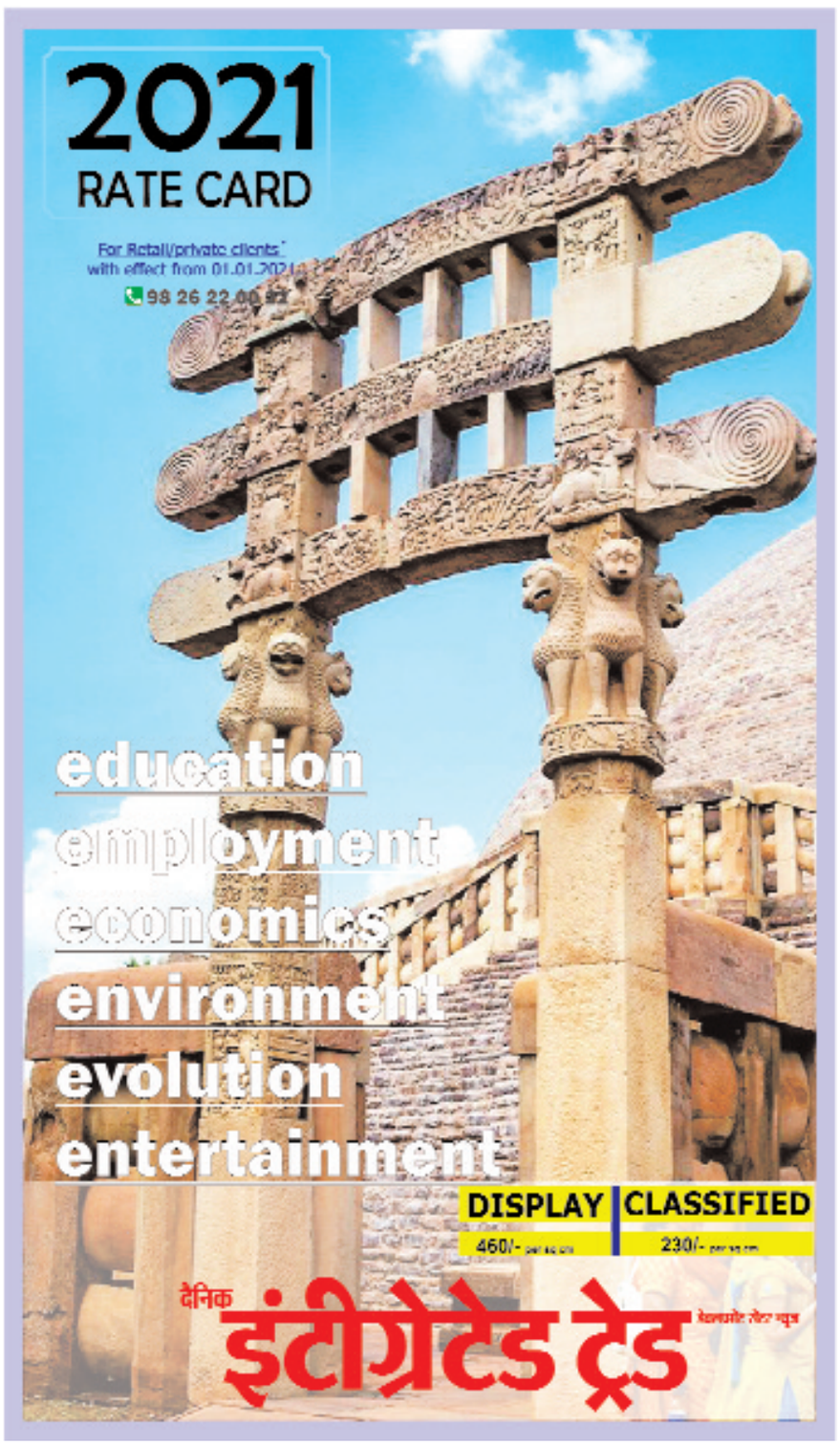

भारत ने बीते वित्त वर्ष में पड़ोसी देशों को आठ लाख टन कोयले का निर्यात किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत ने बीते वित्त वर्ष 2020-21 में नेपाल सहित पड़ोसी देशों को आठ लाख टन कोयले का निर्यात किया। कोयला मंत्रालय के 2020-21 के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार, इसमें से सबसे अधिक 77.20 प्रतिशत कोयले का निर्यात नेपाल को किया गया। बांग्लादेश को 13.04 प्रतिशत का निर्यात किया गया। कोयला मंत्रालय ने कहा, ''भारत में मांग की तुलना में कोयले की आपूर्ति

हालांकि कम रही, लेकिन इसके बाद भी पड़ोसी देशों को बीते वित्त वर्ष के दौरान कुछ कोयले का निर्यात किया गया। इसलिए देश को कोयले का आयात भी करना पड़ा।'' नेपाल को 6.18 लाख टन तथ बांग्लादेश को 1.04 लाख टन कोयले का निर्यात किया गया। मंत्रालय ने कहा कि कोयले का पर्याप्त आरक्षित भंडार होने के बावजूद हम अपने उत्पादन से मांग को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। ''भारत में कम राख वाले उच्च गुणवत्ता के कोयले की आपूर्ति सीमित है।'' ऐसे में मांग और आपूर्ति के अंतर को पूरा करने के लिए देश को कोयले विशेषरूप से कम राख वाले कोयले का आयात करना पड़ता है। वित्त वर्ष 2020-21 में देश का कच्चे कोयले का आयात 21.49 करोड़ टन या 1,16,037.2 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष यानी 2019-20 में 1,52,732.1 करोड़ रुपये के 24.85 करोड़ टन कोयले का आयात किया गया था।

सीमा-विवाद सुलझे, तो पूर्वोत्तर शांत हो

प्रभाकर मणि तिवारी

पूर्वोत्तर राज्य असम और पड़ोसी प्रदेश मिजोरम के बीच सीमा-विवाद के कारण भड़की हिंसा में भले पहली बार छह पुलिस वालों की मौत हो गई, मगर इलाके में सीमा विवाद का इतिहास बहुत पुराना है। असम से काटकर इस इलाके में नए राज्यों के गठन के समय ही सीमा विवाद के बीज बो दिए गए थे। इसी वजह से असम के साथ मेघालय, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड जैसे राज्यों की सीमा पर अक्सर हिंसक झड़पें होती रही हैं। इसका खामियाजा सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को भुगतना पड़ता है। मिजोरम के साथ ताजा विवाद में दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री आमने-सामने आ गए हैं। यह स्थिति तब है, जब हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की थी और उसमें सीमा विवाद का मुद्दा भी उठा था।

वैसे तो असम के साथ कई राज्यों का सीमा विवाद बहुत पहले से होता रहा है, पर हाल में इस वजह से हिंसा की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इसके कारणों को समझने के लिए अतीत में झांकना होगा। दरअसल, जब असम से काटकर मिजोरम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर जैसे राज्यों का गठन किया गया था, तब इलाके में आबादी बहुत कम थी और सीमावर्ती इलाके घने जंगलों से घिरे थे। पर बढ़ती आबादी के दबाव के कारण जब जगह कम पड़ने लगी, तब जमीन का मुद्दा उठने लगा। मगर शुरुआती दौर में ही इसे सुलझाने के बजाय केंद्र व राज्य सरकारें इस ओर से आंखें मूंदे रहीं। मिजोरम पुलिस के हाथों असम पुलिस के जवानों की मौत इसी उदासीनता का नतीजा है। असम-मिजोरम सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वर्ष 1995 से कई दौर की वार्ता हो चुकी है, पर कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका है। प्रशासनिक सहूलियत के लिए असम से काटकर नए राज्यों के गठन का सिलसिला वर्ष 1962 के बाद शुरू हुआ था। मगर तब सीमाओं का सही तरीके से निर्धारण नहीं किया गया था। नगालैंड के साथ असम की करीब 512 किलोमीटर लंबी सीमा है। इन दोनों राज्यों के बीच 1965 से ही सीमा विवाद को लेकर हिंसक झड़पें होती रही हैं। इसी तरह, असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच सीमा पर सबसे पहले वर्ष 1992 में हिंसक झड़प हुई थी। उसी समय से दोनों राज्य एक-दूसरे पर अवैध अतिक्रमण और हिंसा भड़काने के आरोप लगाते रहते हैं। इसी तरह, असम और मेघालय सीमा पर भी अक्सर हिंसक झड़पों की खबरें आती रहती हैं पहले जिस इलाके को असम के लुसाई हिल्स जिले के नाम से जाना जाता था, उसे ही 1972 में पहले केंद्रशासित क्षेत्र और फिर 1987 में पूर्ण राज्य मिजोरम का दर्जा दिया गया था। दक्षिण असम के साथ मिजोरम की करीब 165 किलोमीटर लंबी सीमा सटी है। मिजोरम का दावा है कि उसके लगभग 509 वर्ग मील इलाके पर असम का अवैध कब्जा है। वर्ष 1993 में असम और मणिपुर सरकार ने लुसाई हिल्स और मणिपुर राज्य के बीच के इलाकों की सीमा का निर्धारण कर दिया था, लेकिन मिजोरम की दलील है कि यह सीमांकन वर्ष 1875 की अधिसूचना पर आधारित होना चाहिए। नेताओं का कहना है कि वर्ष 1933 में मिजो समुदाय से सलाह नहीं ली गई थी, इसलिए इस अधिसूचना के तहत निर्धारित सीमा वैध नहीं है। उधर, असम सरकार 1933 की अधिसूचना के आधार पर ही सीमाएं तय करने के पक्ष में है। असम के साथ मेघालय का सीमा विवाद वर्ष 1972 में इस राज्य के गठन जितना ही पुराना है। मेघालय कम से कम 12 इलाकों पर अपना दावा ठोकता रहा है। ये इलाके फिलहाल असम के कब्जे में हैं। दोनों राज्यों ने एक नीति अपना रखी है, जिसके तहत कोई भी राज्य दूसरे सूबे को बताए बिना विवादित इलाकों में विकास योजनाएं शुरू नहीं कर सकता। यह विवाद उस समय शुरू हुआ, जब मेघालय ने असम पुनर्गठन अधिनियम, 1971 को चुनौती दी। उक्त अधिनियम के तहत असम को जो इलाके दिए गए थे, उसे मेघालय ने खासी और जयंतिया पहाड़ियों का हिस्सा होने का दावा किया था। अब मिजोरम और असम के बीच बीते सप्ताह हुई हिंसा के बाद राज्य में इस विवाद को शीघ्र सुलझाने की मांग उठ रही है। मेघालय के तमाम राजनीतिक दलों ने केंद्र से कहा है कि वह 2022 से पहले इस विवाद को सुलझाने की पहल करे। वर्ष 2022 में मेघालय के गठन को 50 वर्ष पूरे हो जाएंगे। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि असम से काटकर अलग-अलग राज्यों के गठन के समय सीमाओं का ठीक से निर्धारण नहीं किया गया और वही विवाद की जड़ है।

संपादकीय

कहीं बुलबुला न बन जाए यह तेजी

अरुण कुमार

भारतीय शेयर बाजार में बहार दिख रही है। सूचकांक लगातार ऊंचाई का रिकॉर्ड बना रहा है। इससे निवेशक काफी ज्यादा खुश हैं। फरवरी से अब तक तकरीबन 30 शेयरों ने शत-प्रतिशत रिटर्न दिया है। निवेशकों के उत्साह का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चालू वित्त वर्ष के शुरुआती दो महीनों में ही 44.7 लाख खुदरा निवेशकों के खाते खुले हैं। तो क्या रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा शेयर बाजार भारतीय अर्थव्यवस्था की उम्मीद है? इस सवाल का जवाब तलाशने से पहले हमें शेयर बाजार के गणित को समझना होगा। इसमें किसी कंपनी के शेयर दो वजहों से चढ़ते-उतरते हैं। पहली, उस कंपनी की मौजूदा दशा क्या है? और दूसरी, आने वाले समय में वह कैसा प्रदर्शन करेगी? यह तो तय है कि देश की अर्थव्यवस्था अभी 2019 के स्तर पर भी नहीं पहुंच सकी है। इसलिए जाहिर तौर पर लोग सूचीबद्ध कंपनियों के आगे बेहतर करने की उम्मीद में ही निवेश कर रहे हैं। इस सोच के वाजिब कारण हैं। मसलन, अभी निवेशक अधिकांशत: टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स, ई-बैंकिंग जैसी कंपनियों में निवेश कर रहे हैं। चूंकि हमारी मांग में बदलाव आया है और हम बगल की दुकान से नहीं, बल्कि ऑनलाइन खरीदारी ज्यादा करने लगे हैं, इसलिए इन कंपनियों पर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। इसी के कारण कुछ कंपनियों के आईपीओ आश्चर्यजनक रूप से काफी ज्यादा पर खुले। अमेजन, फेसबुक जैसी कंपनियों के इतिहास ने भी निवेशकों को इन जैसी कंपनियों पर पैसा लगाने को प्रोत्साहित किया। मगर सवाल यह है कि जब अर्थव्यवस्था की हालत खास्ता हो, तब निवेशकों की चांदी क्यों है? दरअसल, अभी बाजार में लिक्विडिटी, यानी तरलता (पूंजी) ज्यादा है। दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से लड़ रही हैं, इसलिए तमाम देशों के केंद्रीय बैंकों ने अपने-अपने यहां लिक्विडिटी बढ़ाई है। व्यापारिक-वर्ग के हाथों में पैसे आने से वे निवेश की सोचने लगे हैं। चूंकि रियल एस्टेट में ज्यादा रिटर्न नहीं है, और बैंकों में भी ब्याज दरें कम कर दी गई हैं, इसलिए अच्छे रिटर्न की चाहत में शेयर बाजार उनके लिए सबसे मुफीद बन गए हैं। भारतीय शेयर बाजार इसलिए भी निवेशकों को लुभा रहे हैं, क्योंकि भारत एक बड़ा बाजार है। नतीजतन, यहां उन कंपनियों के दाम भी चढ़ने लगे हैं, जिनका भविष्य बहुत ज्यादा साफ नहीं दिखता। यही वह बात है, जिससे हमें चिंतित होना चाहिए। शेयर बाजार में उन कंपनियों के निवेशक मुनाफे में रहते हैं, जो भविष्य में अच्छा रिटर्न देने का भरोसा देती हैं, लेकिन उन कंपनियों के निवेशकों को नुकसान हो सकता है, जिनके बदहाल होने की आशंका अधिक है। दिक्कत यह है कि किसी कंपनी का भविष्य पढ़ पाना आसान नहीं होता। कुछ कंपनियों का तो ठीक-ठीक आकलन किया जा सकता है, लेकिन ज्यादातर शेयरों की खरीद-बिक्री काफी कुछ अनुमान पर आधारित होती है। इसमें जो निवेशक बाजार को पढ़ सका, वह तो मुनाफे में रहेगा, लेकिन जो ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सकता, उसे घाटा हो सकता है। एक दिक्कत यह भी है कि बाजार के चढ़ने से शेयर का मूल्य-आय अनुपात (कंपनी के शेयर का मूल्य और शेयर से अर्जित आय का अनुपात) बढ़ जाता है। अभी भारतीय शेयर बाजार का यही हाल है। इसमें सबसे बड़ा खतरा यह है कि जब यह टूटेगा (जिसकी आशंका ज्यादा है), तो निवेशकों को नुकसान होगा।मौजूदा तेजी के कारण निवेश के असली क्षेत्र पिछड़ सकते हैं। ये वे क्षेत्र हैं, जो किसी भी अर्थव्यवस्था की बुनियाद होते हैं। इनके रिटर्न तुलनात्मक रूप से कम होते हैं। इसीलिए लोग अभी इनमें निवेश करने से बच रहे हैं। इसका पैसा तुरंत लाभ देने वाली कंपनियों के खाते में जा रहा है, जिससे अर्थव्यवस्था को नुकसान हो सकता है। जैसे, यदि सुनहरे भविष्य को देखते हुए टेक्नोलॉजी कंपनियों में हम ज्यादा निवेश करते हैं, तो हमें बेशक रिटर्न ज्यादा मिले, लेकिन इससे रोजगार सृजन का परिदृश्य प्रभावित हो सकता है, यानी खतरा दोतरफा है- वास्तविक निवेश न होने से अर्थव्यवस्था कमजोर होगी और दूसरा, रोजगार प्रभावित होगा। एक और बात, हमारे शेयर बाजार में कॉरपोरेट सेक्टर का प्रभुत्व है। ऐसे उद्योगपतियों की संख्या पांच से दस लाख के करीब है। मगर देश की कुल आबादी में इनकी हिस्सेदारी महज 0.1 फीसदी है। साफ है, शेयर बाजार के चढ़ने से ज्यादा फायदा इसी वर्ग को होगा। यही अब तक होता रहा है, जबकि अमेरिका जैसे देशों में खुदरा निवेशकों की संख्या ठीक-ठाक है। इसके कारण शेयर बाजार का फायदा वहां कई वर्गों में बंटता है। अपने यहां एक बड़ी आबादी शेयर बाजार के फायदे से वंचित रह जाती है। फिर, शेयर बाजार जब टूटता है, तो बड़े निवेशक जैसे-तैसे उसे सह जाते हैं, लेकिन कम पूंजी होने के कारण खुदरा निवेशकों को नुकसान अधिक होता है। हर्षद मेहता केस इसका बड़ा उदाहरण है।

केरल मॉडल : विफलता या राजनीति

इन तमाम सवालों से इतर महामारी विज्ञानी और वायरस विशेषज्ञ यही बताते हैं कि केरल कतई अपराधी नहीं है, बल्कि इसने कोरोना के हालात को अच्छी तरह संभाला है। उनके मुताबिक, केरल मॉडल प्रासंगिक था और अन्य राज्यों को उसे अपनाना चाहिए। वे इस बात पर भी जोर देते हैं कि वास्तविक स्थिति को समझने के लिए केरल के हालात और उसके डाटा का गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। तो फिर केरल की इस विडंबना को किस तरह से देखा जाए?

एस श्रीनिवासन

कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार वृद्धि को लेकर केरल पिछले हफ्ते से खबरों में है। यहां हर दिन 20,000 से अधिक नए मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जो इस वक्त देश भर के दैनिक मामलों का लगभग 50 फीसदी है। इसने नई दिल्ली और देश के बाकी हिस्सों के लिए खतरे की घंटी बजा दी है। हालात का आकलन करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने आनन-फानन एक टीम तिरुवनंतपुरम भेजी। केंद्र सरकार ने भी आगाह किया कि 'सुपर स्प्रेडर' आयोजनों की अनदेखी करके यहां की स्थिति को नियंत्रण से बाहर नहीं होने देना चाहिए। एक सप्ताह पहले सर्वोच्च न्यायालय ने भी केरल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि उसे बकरीद की पूर्व संध्या पर लॉकडाउन प्रतिबंधों में ढील नहीं देनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश में भी कांवड़ यात्रा पर अपनी नाराजगी जताते हुए स्पष्ट कर दिया था कि लोगों की सेहत को धार्मिक आयोजनों पर प्राथमिकता देनी चाहिए। 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन' की केरल इकाई ने भी राज्य सरकार को चेताते हुए कहा था कि लॉकडाउन में ढील की उसकी नीति गलत है। एसोसिएशन के मुताबिक, यह नीति महामारी को रोकने के बजाय लोगों को बड़ी संख्या में इकट्ठा होने के लिए प्रोत्साहित करेगी। यह उचित नहीं होगा।

यह सब आखिर कैसे हो गया? कोरोना की दोनों लहरों से अच्छी तरह से लड़कर 'आदर्श' राज्य बनने वाला केरल क्या फिसल रहा है? क्या यह सूबा अराजक हो गया है और दूसरे राज्यों के लिए खतरा बन गया है? क्या पी विजयन के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार अपनी सफलता खो रही है? केरल के जिस स्वास्थ्य तंत्र की चहुंओर प्रशंसा हो रही थी, वह कहां है? आखिर संक्रमण का स्तर क्यों बढ़ रहा है?

इन तमाम सवालों से इतर महामारी विज्ञानी और वायरस विशेषज्ञ यही बताते हैं कि केरल कतई अपराधी नहीं है, बल्कि इसने कोरोना के हालात को अच्छी तरह संभाला है। उनके मुताबिक, केरल मॉडल प्रासंगिक था और अन्य राज्यों को उसे अपनाना चाहिए। वे इस बात पर भी जोर देते हैं कि वास्तविक स्थिति को समझने के लिए केरल के हालात और उसके डाटा का गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। तो फिर केरल की इस विडंबना को किस तरह से देखा जाए?

पहले इन आंकड़ों पर गौर कीजिए। आईसीएमआर का हालिया सीरो-सर्वे कहता है कि देश भर में जहां 68 फीसदी आबादी संक्रमित हो चुकी है, वहीं केरल में यह संख्या 43 फीसदी है। महामारी विज्ञानी इसे अच्छे प्रबंधन का संकेत मानते हैं। फिर, केरल ने अपनी 20 फीसदी वयस्क आबादी का पूर्ण टीकाकरण कर दिया है, जबकि राष्ट्रीय औसत 7.5 प्रतिशत है। यहां तो 38 फीसदी लोगों को टीके की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा 25 फीसदी है। यही नहीं, केरल प्रतिदिन औसतन 1.4 लाख जांच कर रहा था, जो अन्य राज्यों से काफी ज्यादा है। जैसे, पश्चिम बंगाल की आबादी केरल से तीन गुनी ज्यादा है, वहां हर दिन लगभग 50,000 लोगों की जांच हो रही थी। बिहार व उत्तर प्रदेश जैसे राज्य भी अपनी जनसंख्या की तुलना मे कम जांच कर रहे थे, जबकि अधिक जांच का अर्थ होता है, अधिक मरीजों की पहचान करना। प्रति दस लाख लोगों पर की गई जांच के मामले में भी केरल का रिकॉर्ड देश के बाकी हिस्से की तुलना में दोगुने से अधिक है। रैंडम, यानी क्रमरहित जांच के बजाय राज्य सरकार ने बेहतर नतीजे देने वाले लक्षित परीक्षण किए।

दरअसल, राज्यों द्वारा अपने खराब प्रदर्शन को छिपाने के लिए कम जांच की जाती है। ईमानदार राज्य जहां अपनी परीक्षण-नीति और जांच-संख्या की खुली मुनादी करते हैं, तो वहीं तंत्र से खेलने वाले इससे परहेज करते हैं। यह ठीक अपराध दर सरीखा मामला है। जैसे राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि जो राज्य प्राथमिकी दर्ज करने में आनाकानी नहीं करते, वहां अपराध ज्यादा दिखता है, क्योंकि वे आंकड़े छिपाते नहीं हैं। कुछ अन्य आंकड़े भी केरल के पक्ष में हैं। जैसे, वहां संक्रमितों की संख्या ज्यादा होने के बावजूद अस्पतालों पर दबाव नहीं है। अस्पतालों के 50 फीसदी सामान्य व आईसीयू बेड और आधे से अधिक वेंटिलेटर खाली हैं। वहां मृत्यु दर भी सिर्फ 0.5 फीसदी है, जबकि राष्ट्रीय औसत 1.3 प्रतिशत है। फिर कई स्वतंत्र अध्ययन बताते हैं कि केरल अपने यहां मौत को स्वीकार करने के मामले में ईमानदार रहा है। यहां सरकारी आंकड़ा से संभवत: 1.6 फीसदी अधिक मौत हुई है, जबकि देश के कुछ सूबों में तो दर्ज की गई संख्या से 30 से 36 गुना अधिक लोग मरे हैं। इसीलिए मृत्यु दर के मामले में केरल को ईमानदार माना जा रहा है।केरल की यह स्थिति तब है, जब जन-सांख्यिकी के मामले में उसकी दो अलग-अलग चुनौतियां हैं। मसलन, दूसरे राज्यों की तुलना में यहां बुजुर्गों का अनुपात अधिक है। और, महज 3.5 करोड़ आबादी के बावजूद भू-क्षेत्रफल कम होने के कारण इसकी बसावट घनी है। इन सबसे संक्रमण के प्रबंधन पर दबाव पड़ता है। इसने अन्य राज्यों की तुलना में अपनी 'जीनोम सिक्वेंसिंग' भी जल्दी कर ली, इसीलिए यह 'म्यूटेशन' यानी वायरस के नए रूप की पहचान करने के मामले में बेहतर स्थिति में है। कुछ वायरस विज्ञानी तो यही भी मानते हैं कि यहां इसलिए संक्रमण अब अधिक दिख रहा है, क्योंकि यहां डेल्टा वेरिएंट देर से आया है। हालांकि, इन सबका मतलब यह नहीं है कि केरल में सब कुछ दुरुस्त है। राज्य को अपना सुरक्षा कवच मजबूत बनाना होगा, क्योंकि आरओ, यानी संक्रमण का प्रसार बताने वाली संख्या काफी ज्यादा 1.2 फीसदी है। यहां के कुछ इलाकों में सख्त लॉकडाउन की आवश्यकता है, क्योंकि इसके आधे से भी अधिक जिलों में संक्रमण दर दोहरे अंकों में पहुंच गई है। हालांकि, राज्य सरकार को विश्वास है कि मजबूत स्वास्थ्य ढांचे से वह हालात संभालने में सफल रहेगी। लिहाजा, केंद्र को राज्य का समर्थन करना चाहिए। केरल मॉडल के राजनीतिकरण से हर किसी को बचना चाहिए।

किस तरह खोले जाएं स्कूल

अब लगभग 17 महीने हो गए हैं और देश के अधिकांश हिस्सों में स्कूल बंद हैं। लंबे समय तक स्कूलों के बंद रहने से बच्चों को हो रहे मनोवैज्ञानिक, विकास संबंधी और शैक्षणिक नुकसान को अब हर घर महसूस कर रहा है। शोध-अनुसंधान तो इसके दीर्घकालिक असर पड़ने की मुनादी कर रहे हैं। फिर भी, स्कूलों को खोलने की नीतिगत कोशिश की कमी दिख रही है। बच्चों के भविष्य को देखते हुए विमर्श का मसला 'किस तरह स्कूलों को खोला जाए' होना चाहिए, न कि 'कब'। जब (कोरोना की दूसरी घातक लहर के बाद) हमारे नीति-निर्धारकों और कारोबारियों ने मॉल, जिम व फैक्टरियों को खोलने के तरीके खोज निकाले हैं, तब यह अक्षम्य है कि स्कूलों और बच्चों की अनदेखी की जाए।

स्कूलों को खोलना कोई मामूली बात नहीं है। छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और उनमें यह भरोसा पैदा किया जाना चाहिए कि सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा। ऐसा करने के लिए, स्कूल प्रबंधन व अभिभावकों को आपस में संवाद करना होगा। महामारी को लेकर अनिश्चितताएं कम नहीं हो रहीं, इसलिए स्कूलों को त्वरित और समय के अनुकूल खुद फैसले लेने के योग्य बनाना होगा। इसके लिए अभिनव नीतियों की दरकार होगी, जो स्थानीय स्तर पर फैसले लेने, जमीनी हकीकत को समझने और शिक्षा व्यवस्था को आकार देने वाली मौजूदा केंद्रीकृत सोच (हर जगह के लिए समान नीतियां) को बदल सकने में सक्षम हो। फिलहाल कम से कम तीन नीतिगत कदम उठाए जाने की जरूरत तो है।

पहला, हमें अभिभावक-शिक्षकों के जुड़ाव का लाभ उठाना होगा और स्कूल खोलने की प्रक्रिया से माता-पिता को शामिल करना होगा। शिक्षा के अधिकार के तहत अभिभावकों के नेतृत्व वाली स्कूल कमेटियों के गठन के बावजूद स्कूली व्यवस्था में अभिभावकों को शामिल करने और स्कूलों को उनके प्रति जवाबदेह बनाने में भारतीय शिक्षा नीति सफल नहीं हो सकी है। हालांकि, लंबे समय तक स्कूलों के बंद रहने और दूरस्थ शिक्षा पर जोर देने का एक अप्रत्याशित सुखद पहलू यह है कि स्कूल, शिक्षक और अभिभावक पहली बार बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को लेकर लगातार संपर्क में हैं। 2020 की शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) सर्वे में भी पाया गया कि लगभग एक-तिहाई नामांकित छात्रों ने सर्वेक्षण के पूर्व सप्ताह में वाट्सएप या

शिक्षकों के सीधे संपर्क द्वारा कुछ शिक्षण सामग्रियां प्राप्त की थीं। पंजाब और दिल्ली जैसे कुछ राज्यों ने तो अभिभावक-शिक्षकों की मीटिंग शुरू कर दी है। हिमाचल प्रदेश ने 'डोर-टु-डोर' अभियान शुरू किया है, ताकि शिक्षक छात्रों के घर जाने को उत्सुक हों। अभिभावक-शिक्षक रिश्ते को संस्थागत रूप देने और स्कूल खोलने की प्रक्रिया पर संवाद के लिए ऐसे प्रयास उल्लेखनीय हैं।

मगर ऐसा करने के लिए, केंद्र और राज्य सरकारों को इनोवेशन, यानी नवाचार को प्रोत्साहित करना होगा और स्थानीय प्रशासन के फैसले के मुताबिक स्कूल प्रबंधन को निर्णय लेने की आजादी देनी होगी। चूंकि दूसरी लहर अब कम हो गई है, इसलिए महीने भर का ऐसा राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया जा सकता है, जिसमें माता-पिता हफ्ते में एक बार स्कूल में शिक्षकों से मिलें। इससे माता-पिता व शिक्षक स्कूल आएंगे और उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा। यह उन बच्चों के अभिभावकों में भी उम्मीद पैदा करेगा, जिनके पास ऑनलाइन सुविधाएं नहीं हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह कि स्कूल इसका उपयोग छात्रों की शैक्षणिक जरूरतों का आकलन करने और स्कूलों को फिर से खुलने पर एक नया शैक्षणिक माहौल बनाने के अवसर के रूप में कर सकते हैं। एक बार जब आपसी भेंट व्यवस्थित हो जाएगी, स्कूल प्रबंधन कोविड-19 प्रोटोकॉल तैयार कर सकेगा, जो यथार्थवादी होगी और स्कूलों के अपने संसाधन, अपनी क्षमता और स्थानीय वास्तविकताओं से मेल खाती होगी।

दूसरा कदम, नीति-निर्धारकों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि जमीनी हकीकत देखकर स्कूलों को खोलने (और बंद करने) का फैसला लिया जाए। इसीलिए यह निर्णय केंद्र के स्तर पर नहीं, बल्कि यथासंभव स्थानीय स्तर पर लिया जाए। कोविड-19 संक्रमण अभी आगे भी रहेगा। इसीलिए स्कूलों को तीन संभावित परिदृश्यों के लिए तैयार रहना होगा- सख्त लॉकडाउन, आंशिक गतिविधि (जिसमें शिक्षक स्कूल जा सकें, पर छात्र-छात्राओं के आने की मनाही हो) और सभी प्रतिबंधों में ढील व स्कूलों का फिर से खुलना। इन संभावनाओं के आलोक में स्कूल खुद को कैसे सुचारू बना पाएंगे, यह स्थानीय स्तर पर तय होना चाहिए। आखिर, भिन्न-भिन्न इलाकों में अलग-अलग समय पर मामले बढ़ते हैं। उचित प्रोटोकॉल तैयार करने, जिलों में समन्वय बनाने और संजीदा व अनवरत संचार के माध्यम से जनता का भरोसा तैयार करने में सरकारों (केंद्र और राज्य, दोनों) की अहम भूमिका है। मगर जब तक फैसले लेने की प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत नहीं किया जाएगा, तब तक यह संभव नहीं हो सकेगा। तीसरा कदम, वास्तविक विकेंद्रीकरण के लिए स्कूल स्तर पर अधिक वित्तीय संसाधनों की जरूरत होगी। यह अधिक पैसों का मामला नहीं है, बल्कि यह तय करना है कि स्कूल अपनी जरूरत व प्राथमिकताओं के मुताबिक खुद खर्च कर सकें। अभी स्कूलों को बहुत ज्यादा खर्च करने की आजादी नहीं है। उनको सालाना अनुदान ही मिलता है। मगर यह राशि प्राथमिक विद्यालयों के बजट का महज तीन से चार प्रतिशत और माध्यमिक विद्यालयों का करीब एक फीसदी होती है, और इसका उपयोग केवल नियमित रख-रखाव के लिए किया जा सकता है। साफ है, फैसले लेने के मामले में स्कूलों को सशक्त बनाने के लिए उन्हें अधिक खर्च करने की आजादी देनी होगी। स्कूली कामकाज से स्थानीय प्रशासन को जोड़ने का अनूठा अवसर है। 15वें वित्त आयोग के अनुदान के मुताबिक, स्थानीय प्रशासन को स्वास्थ्य संबंधी अनुदान देना अनिवार्य है। स्कूलों में कोविड-19 प्रोटोकॉल लागू करने के लिए इस फंड का उपयोग हो, यह फैसला लेने के लिए स्थानीय प्रशासन को सक्षम बनाया जाना चाहिए।

सावन का शुक्ल पक्ष इन 4 राशि वालों के जीवन में लाएगा खुशियां

सावन मास 25 जुलाई से 22 अगस्त तक रहेगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर माह में एक कृष्ण और एक शुक्ल पक्ष आता है। 09 अगस्त से सावन मास के शुक्ल पक्ष आरंभ हो रहा है। खास बात यह है कि इस दिन भगवान शंकर को समर्पित दिन सोमवार है। जानिए भोलेनाथ की कृपा से सावन के शुक्ल पक्ष में किन राशि वालों के जीवन में आएंगी खुशियां और धन लाभ के बनेंगे योग-

1. मिथुन- सावन मास का शुक्ल पक्ष मिथुन राशि वालों के लिए खुशियां लेकर आएगा। इस दौरान आपके अटके काम बन सकते हैं। धन लाभ के योग बनेंगे। जिस काम को मेहनत के साथ आप करने की कोशिश करेंगे, उसमें सफलता हासिल होगी। आर्थिक मोर्चे पर यह समय आपके लिए शुभ रहेगा।

2. कर्क- कर्क राशि वालों के लिए सावन मास का शुक्ल पक्ष शुभ परिणाम लेकर आएगा। इस दौरान आपके भगवान शंकर की कृपा से बिगड़े काम बनेंगे। भाग्योदय होगा। निवेश के लिए समय उत्तम है। आय में वृद्धि के योग बनेंगे। खर्चों में कमी आएगी।

3. तुला- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुला राशि वालों के लिए सावन अमावस्या के बाद का समय शुभ है। 8 अगस्त को सावन अमावस्या है। इस दौरान आपको नौकरी के अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग बनेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। व्यापार में मुनाफा हो सकता है।

4. कुंभ- कुंभ राशि वालों के इस दौरान अटके काम बनेंगे। कामों में तेजी आएगी। धन लाभ के आसार रहेंगे। समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र में आपके कार्य की प्रशंसा होगी। उच्चाधिकारियों के साथ संबंध मधुर होंगे।

जाह्नवी और अर्जुन कपूर के एक्सप्रेशन्स पर फिदा हुए फैन्स, दिखी सिबलिंग्स की सिजलिंग कैमिस्ट्री

जाह्नवी कपूर का नाम उन एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार है जो सोशल मीडिया पर खूब पोस्ट करती हैं। इस बीच जाह्नवी ने भाई व अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ कुछ फोटोज शेयर किए हैं, जहां पर उनके फेस एक्सप्रेशन्स काफी क्यूट लग रहे हैं।

बाजार मैग्जीन के लिए फोटोशूट

दरअसल जाह्नवी कपूर और अर्जुन कपूर ने बाजार मैग्जीन के लिए फोटोशूट करवाया। ऐसे में कवर पेज के लिए दोनों ने कुछ फोटोज क्लिक करवाए। तस्वीरों में दिख रहा है कि दोनों भाई- बहन साथ में काफी जच रहे हैं और साथ ही साथ काफी मजेदार एक्सप्रेशन्स भी दे रहे हैं। फैन्स को ये फोटोज काफी पसंद आ रहे हैं।

भाई- बहन हैं अर्जुन- जाह्नवी

बता दें कि बोनी कपूर ने दो शादी की थीं, ऐसे में अर्जुन कपूर और अंशुला कपूर, बोनी- मोना के बच्चे हैं, जबकि बोनी- श्रीदेवी की बेटियां जाह्नवी और खुशी कपूर हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक वक्त पर चारों भाई बहन इतने करीब नहीं थे, लेकिन श्रीदेवी के निधन के बाद अर्जुन ने बड़े भाई का फर्ज निभाया और बाकी बहनों को संभाला।

जाह्नवी कपूर का करियर

गौरतलब है कि जाह्नवी कपूर आखिरी बार फिल्म रूही में नजर आई थीं। फिल्म में जाह्नवी के साथ राजकुमार राव और वरुण शर्मा मुख्य किरदारों में शुमार थे। रूही के पहले जाह्नवी फिल्म गुंजन सक्सेना- द कार्गिल गर्ल में नजर आई थीं। बता दें कि जाह्नवी की अपकमिंग फिल्मों में गुड लक जैरी शुमार है। वहीं जाह्नवी के पास करण जौहर की तख्त भी है। इसके साथ ही जाह्नवी, राजकुमार राव के साथ भी एक फिल्म में नजर आएंगी।

अर्जुन के प्रोजेक्ट्स

बात अर्जुन के फिल्मी करियर की करें तो हाल ही में वो 'दीप और पिंकी फरार और सरदार का ग्रैंडसन में नजर आए थे। वहीं बात उनकी आगामी फिल्मों की करें तो वो जल्दी ही भूत पुलिस और एक विलेन 2 में नजर आएंगे।

सनी लियोनी का रफ एक्शन अवतार फैन्स को भाया

एक्ट्रेस सनी लियोनी कुछ वक्त पहले तक तमिल फिल्म शिरो के शूट में बिजी थीं। सनी शूटिंग सेट से कई फोटोज और वीडियोज शेयर कर चुकी हैं। इस बीच सनी लियोनी ने शिरो से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है।

कैसा है फर्स्ट लुक

शिरो का फर्स्ट लुक काफी बेहतरीन है। सनी लियोनी के इस फर्स्ट लुक से दिख रहा है कि फिल्म में सनी का एक्शन अवतार देखने को मिलेगा। पोस्टर में सनी का रफ अंदाज देखने को मिल रहा है, वहीं माथे और होंठ से खून बहता दिख रहा है। सनी के इस लुक के फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं।

क्या है कैप्शन

सनी ने कैप्शन में लिखा, सरवाइवल ही मेरा बदला है। मेरी पहली तमिल फिल्म शिरो का फर्स्ट लुक। मैं इंतजार नहीं कर सकती कि आप कब ये देखेंगे। बता दें कि सनी लियोनी की फिल्म शिरो, मलयालम, तेलुगु, तमिल और हिन्दी भाषा में रिलीज होगी।। फिल्म को श्रीजीत विजयन ने डायरेक्ट किया है।

सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं सनी

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सनी ने फिल्म के स्टंट खुद किए हैं। बात शिरो की करें तो फिल्म एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म है। गौरतलब है कि सनी लियोनी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर फोटोज- वीडियोज शेयर करती हैं। फैन्स भी सनी के पोस्ट्स को खूब पसंद करते हैं।

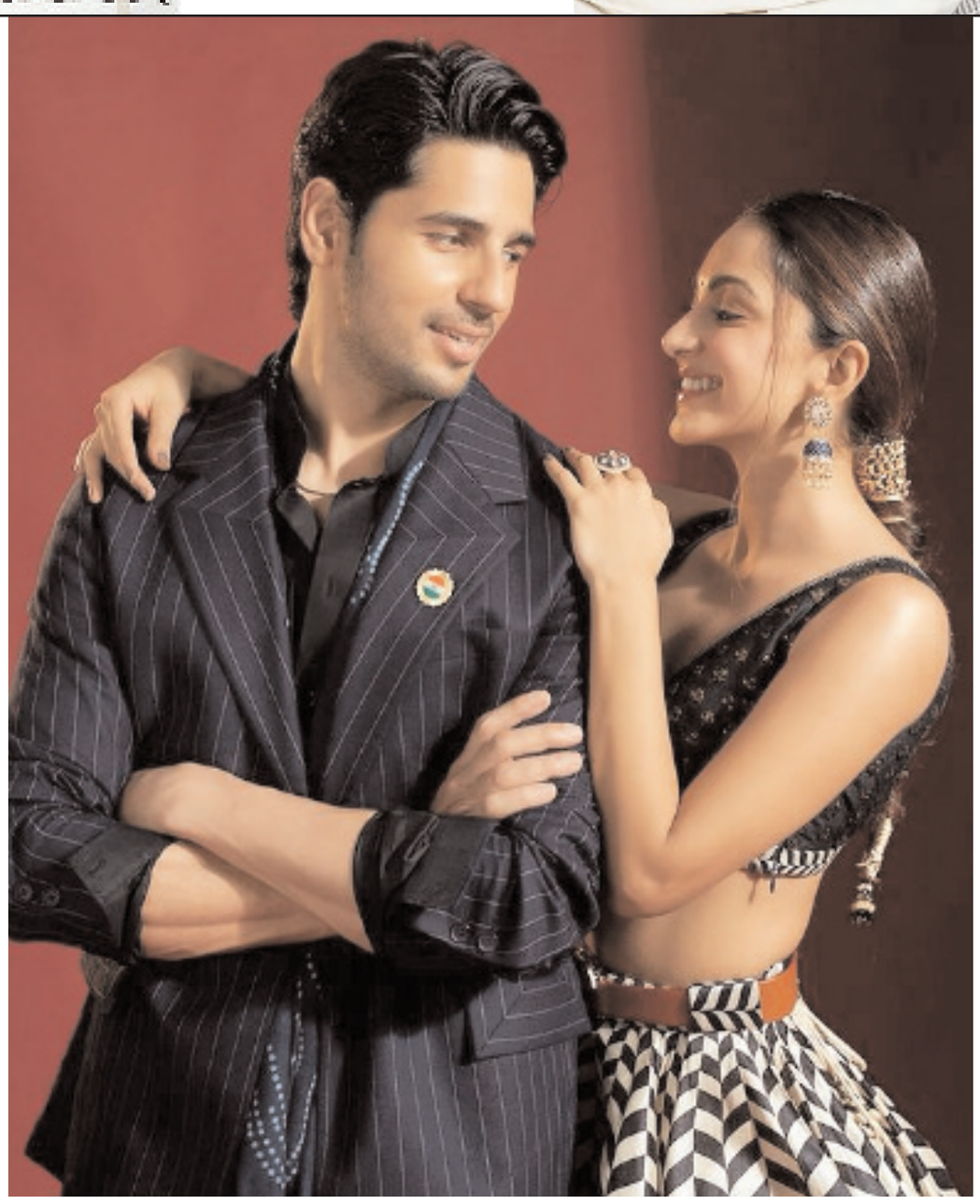

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी का फोटोशूट, अफेयर की खबरों के बीच इन तस्वीरों पर ठहरी सबकी निगाहें

सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के बीच लंबे समय से अफेयर की खबरें आ रही हैं। अब दोनों साथ में पहली बार पर्दे पर दिखेंगे। उनकी फिल्म 'शेरशाह' 12 अगस्त को रिलीज होगी। उससे पहले सिद्धार्थ और कियारा फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। कियारा ने अपने इंस्टाग्राम पर सिद्धार्थ के साथ की कई तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें दोनों के बीच खास कनेक्शन साफ नजर आ रहा है। कियारा ने इस दौरान ब्लैक और वहाइट कलर का लहंगा पहना हुआ है। लहंगे को अलग लुक देने के लिए उन्होंने ब्राउन कलर की बेल्ट लगाई है। तस्वीरों में कियारा बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। वहीं हैंडसम सिद्धार्थ ने पठानी स्टाइल में नेवी ब्लू कलर का ब्लेजर पहना है।

कब रिलीज होगी फिल्म

'शेरशाह' की बात करें तो फिल्म की कहानी कैप्टन विक्रम बत्रा की जिंदगी पर आधारित है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी के अलावा फिल्म में शिव पंडित, निकितिन धीर, हिमांशु मल्होत्रा और पवन चोपड़ा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की शूटिंग जनवरी 2020 में खत्म हो गई थी। पहले इसे तीन जुलाई 2020 को रिलीज किया जाना था लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टालना पड़ा। अब फिल्म 12 अगस्त को अमेजॉन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। इसके निर्देशक विष्णुवर्धन हैं। धर्मा प्रोडक्शंस और काश एंटरटेनमेंट ने मिलकर फिल्म को प्रोड्यूस किया है।

अंकिता लोखंडे ने फिल्म बॉम्बे के गाने कहना ही क्या पर दिखाए डांस मूव्स, एक्सप्रेशन्स पर फिदा हुए फैन्स

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैन्स के लिए अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। ऐसे में एक बार फिर अंकिता ने एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसे फैन्स काफी पसंद कर रहे हैं।

बॉम्बे के गाने पर डांस

अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में अंकिता लोखंडे गुलबी और सफेद ड्रेस में नजर आ रही हैं। वीडियो में अंकिता फिल्म बॉम्बे के गाने कहना ही क्या पर खूबसूरती से डांस करती दिख रही हैं। वीडियो के साथ कैप्शन में अंकिता ने लिखा, अब क्या कहें, क्या नाम लें, कैसे उन्हें मैं पुकारूं। इसके साथ ही उन्होंने दिल का इमोजी बनाया है।

डांस से जीता दिल

कुछ ही देर में अंकिता के इस वीडियो पर हजारों लाइक्स और ढेर सारे कमेंट्स आ गए हैं। फैन न सिर्फ अंकिता के डांस मूव्स की तारीफ कर रहे हैं बल्कि उनके एक्सप्रेशन्स को भी बेहद प्यारा बता रहे हैं। इसके साथ ही फैन्स अंकिता की खूबसूरती और देसी अंदाज की भी तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि अंकिता एक बेहतरीन डांसर हैं और कई शोज में अपने डांस का दम दिखा चुकी हैं।

पवित्र रिश्ता 2.0

बता दें कि अंकिता इन दिनों पवित्र रिश्ता 2.0 के शूट में बिजी हैं। याद दिला दें कि पवित्र रिश्ता के पहले सीजन में अंकिता लोखंडे के साथ ही दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत ने अहम भूमिका निभाई थी। सुशांत के किरदार को आज भी फैन्स याद करते हैं। वहीं दूसरे सीजन में अंकिता के साथ शाहिर शेख अहम भूमिका में होंगे। ऑल्ट बालाजी ने पवित्र रिश्ता 2.0 के कास्ट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, कभी-कभी सबसे सामान्य जीवन में, हमें सबसे असाधारण प्रेम कहानियां मिलती हैं! मानव और अर्चना की असाधारण प्रेम कहानी का गवाह है। पवित्र रिश्ता फिर लौट रहा है।

बाप- बेटी की जंग और राजनीति की बिसातें दिखाती है सिटी ऑफ ड्रीम्स 2

वेब सीरीज सिटी ऑफ ड्रीम्स सीजन 2, डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो गई है। पिछले सीजन में जहां महाराष्ट्र की सत्ता के लिए भाई और बहन आमने सामने दिखे थे तो वहीं इस सीजन में पिता और बेटी के बीच में राजनीतिक बिसातें सजीं देखने को मिलती हैं। करीब 45-50 मिनट के 10 एपिसोड्स को देखने से पहले आप पढ़ें सिटी ऑफ ड्रीम्स 2 का रिव्यू।

क्या है कहानी

सिटी ऑफ ड्रीम्स के पहले सीजन में भाई और बहन आमने सामने थे, जहां पूर्णिमा गायकवाड़ (प्रिया बापट) राजनीति के दलदल में फंसकर भाई आशीष राव गायकवाड़ (सिद्धार्थ चंदेरकर) को मौत की नींद सुला देती हैं। हालांकि ऐसा करने और होने के पीछे भी काफी उथल पुथल देखने को मिलती है। दूसरे सीजन में कहानी इसके बाद आगे बढ़ती है, जहां पूर्णिमा महाराष्ट्र की मुख्यमंत्री हैं और उनके पिता अमेय राव गायकवाड़ (अतुल कुलकर्णी) न सिर्फ अपने बेटे की मौत का बदला लेना चाहता है, बल्कि अपनी खोई हुई सत्ता भी वापस पाना चाहता है। इस कहानी में वसीम खान (एजाज खान), जगदीश गौरव (सचिन पिलगांवकर) सहित अन्य किरदार न सिर्फ राजनीति बल्कि बाप- बेटी की लड़ाई में अपना अपना किरदार निभाते हैं।

कैसी है एक्टिंग और निर्देशन

अतुल कुलकर्णी, प्रिया बापट, एजाज खान और सचिन पिलगांवकर ने पहले सीजन से भी अधिक बेहतर तरीके से सीरीज को बांधे रखने का काम किया है। वहीं सुशांत सिंह अपने किरदार में वो कमाल नहीं दिखा पाए जो उनसे उम्मीद थी। इन सबके बीच में तान्या मेहता का किरदार निभाने वालीं अभिनेत्री श्रियम भगनानी का किरदार भले ही कम रहा लेकिन उन्होंने पूरी तरह से दिल जीतने वाला काम किया है। वेब सीरीज के निर्देशक नागेश कुकुनूर का भी काम ठीक है, हालांकि बेहतरी की उम्मीद बाकी है।

क्या कुछ रहा खास और कहां रह गई कमी

सिटी ऑफ ड्रीम्स 2 में एक ओर जहां प्रमुख किरदारों को काफी सटीकता के साथ पिरोया गया है तो वहीं कई सेकेंड किरदारों और कई सीन्स को देखकर बतौर दर्शक आपके मन में सवाल उठता है कि इसकी क्या जरूरत थी। सीरीज में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां आप खुद से सवाल करने लगते हैं कि ये सही किया गया या नहीं... क्या सच में राजनीति ऐसी होती है...। सीरीज के कुछ सीन्स और डायलॉग्स वाकई काफी अच्छे हैं। सीरीज में कुल 10 एपिसोड्स हैं, जो करीब 40-45 मिनट के हैं, ऐसे में इसकी लंबाई काफी खलती है, क्योंकि कई सीन्स को वेबजह लंबा खींचा गया है।

देखें या नहीं

कहते हैं इश्क और जंग में सब कुछ जायज है और राजनीति में तो इश्क और जंग दोनों ही होते हैं। सिटी ऑफ ड्रीम्स 2 की रफ्तार तेजी से आगे नहीं बढ़ती है, लेकिन धीरे- धीरे रंग जमाती है। हालांकि इसकी लंबाई अखरती है।

कोरोना देश मेंबीते दिन 39061 नए मामले आए, एक्टिव केस में 5372 की गिरावट

18 दिन बाद सबसे ज्यादा 43928 लोग रिकवर हुए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में कोरोना के मामलों में लगातार दूसरे दिन राहत देखने को मिली है। शनिवार को संक्रमण के 39,061 मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही कोरोना के एक्टिव केस में 5,372 की गिरावट हुई है। शुक्रवार को भी एक्टिव केस में 1948 की कमी आई थी। बीते 24 घंटे में 491 लोगों की संक्रमण से मौत हुई, जबकि 43,928 लोगों ने इस बीमारी को मात दी। रिकवरी का यह आंकड़ा 19 जुलाई के बाद सबसे ज्यादा है। तब 45,356 लोग ठीक हुए थे।

एक कोरोना मरीज एक से ज्यादा व्यक्ति तक फैला रहा संक्रमण: चेन्नई के इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंस के मुताबिक देश में क्र वैल्यू की दर एक महीने के अंदर 0.93 से बढ़कर 1.01 फीसदी हो गई है। यानी अब कोरोना का एक मरीज एक से ज्यादा व्यक्ति तक संक्रमण फैला रहा है। सबसे ज्यादा क्र वैल्यू मध्यप्रदेश (1.31) और हिमाचल प्रदेश (1.3) में है। इसके अलावा महाराष्ट्र और दिल्ली में क्र वैल्यू की दर 1.01 फीसदी है। केरल में क्र वैल्यू 1.06 फीसदी है। यहां रोजाना 20 हजार से ज्यादा केस सामने आ रहे हैं।

देश में जॉनसन एंड जॉनसन की वैक्सीन को इमरजेंसी अप्रूवल: कोरोना के डेल्टा वैरिएंट के बढ़ते मामलों के बीच एक अच्छी खबर सामने आई है। सरकार ने अमेरिकी कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन की सिंगल डोज वैक्सीन जैनसन के इमजेंसी यूज का अप्रूवल दे दिया है। अब इसके भारतीय बाजार में जल्द मिलने की उम्मीद बढ़ गई है। कंपनी ने शुक्रवार को इमरजेंसी अप्रूवल के लिए आवेदन किया था और उस दिन ही ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने इसकी मंजूरी दे दी। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने शनिवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी।

देश में कोरोना महामारी आंकड़ों में

बीते 24 घंटे में कुल नए केस आए- 39,061 बीते 24 घंटे में कुल ठीक हुए- 43,928 बीते 24 घंटे में कुल मौतें- 491 अब तक कुल संक्रमित हो चुके- 3.19 करोड़ अब तक ठीक हुए- 3.10 करोड़ अब तक कुल मौतें- 4.27 लाख अभी इलाज करा रहे मरीजों की कुल संख्या- 4.00 लाख

मध्यप्रदेश कोरोना ग्राफ

	5 अगस्त	6 अगस्त	7 अगस्त
केस आए	11	18	13
ठीक हुए	13	12	15
मौत हुई	01	00	00

3 जिले जहां 24 घंटे में कोरोना के सबसे ज्यादा केस आए

इंदौर	जबलपुर	दमोह
02/00/00	03/00/00	03/00/00

8 राज्यों में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां

देश के 8 राज्यों में पूर्ण लॉकडाउन जैसी पाबंदियां हैं। इनमें पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु, मिजोरम, गोवा और पुडुचेरी शामिल हैं। यहां पिछले लॉकडाउन जैसे ही कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं।

23 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन: देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आंशिक लॉकडाउन है। यहां पाबंदियों के साथ छूट भी है। इनमें छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, मेघालय, नगालैंड, असम, मणिपुर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और गुजरात शामिल हैं।

केरल: यहां शनिवार को 20,367 लोग संक्रमित पाए गए। 20,265 लोग ठीक हुए और 139 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 35.33 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 33.37 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 17,654 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 1.78 लाख मरीजों का इलाज चल रहा है।

महाराष्ट्र: यहां शनिवार को 6,061 लोग संक्रमित पाए गए। 9,356 लोग ठीक हुए और 128 लोगों की मौत हो गई। यहां अब तक 63.47 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 61.39 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 1.33 लाख लोगों की मौत हुई है। फिलहाल 71,050 मरीजों का इलाज चल रहा है।

दिल्ली: दिल्ली में शनिवार को 72 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए। इस दौरान 22 लोग ठीक हुए और 1 मरीज की मौत हुई। यहां अब तक 14.36 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 14.11 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 25,066 मरीजों की मौत हो चुकी है। यहां 565 मरीजों का इलाज चल रहा है।

उत्तर प्रदेश: यहां शनिवार को 27 लोग संक्रमित पाए गए। इस दौरान 58 लोग ठीक हुए और 2 की मौत भी हुई। अब तक राज्य में 17.08 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 16.85 लाख ठीक हो चुके हैं, जबकि 22,773 मरीजों ने दम तोड़ दिया। यहां 586 मरीजों का इलाज चल रहा है।

गुजरात: राज्य में शनिवार को 19 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए और 27 मरीज ठीक हुए। यहां अब तक करीब 8.25 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 8.14 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 10,077 मरीजों की मौत हो चुकी है। यहां 196 संक्रमितों का इलाज चल रहा है।

मध्यप्रदेश: यहां शनिवार को 13 नए मामले सामने आए और 15 मरीज ठीक हुए। अब तक राज्य में 7.91 लाख लोग संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें 7.81 लाख लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 10,514 लोगों की मौत हो गई। 156 मरीजों का अभी इलाज चल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

आईजीआई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसे देखते हुए एयरपोर्ट पर चौकसी बढ़ा दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि ढ्ढत्रढ्ढ एयरपोर्ट पर अल कायदा सरगना की ओर से बम विस्फोट की धमकी भरा ई-मेल मिला है। एयरपोर्ट ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। ई-मेल में लिखा था कि करणबीर सूरी उर्फ मोहम्मद जलाल और उसकी पत्नी शैली शारा उर्फ ??हसीना रविवार को सिंगापुर से भारत आ रहे हैं। वे 1-3 दिनों में एयरपोर्ट पर बम लगाने की तैयारी में हैं। वहीं, DIG ने बताया कि हाल के दिनों में भी इन्हीं नामों और डिटेल के साथ ऐसा ही धमकी भरा मैसेज मिला था, जिसे बम थ्रेट एसेसमेंट कमेटी ने नॉन स्पेसिफिक बताया था।

सिक्योरिटी एजेंसियां अलर्ट पर: SOP के अनुसार, सिक्योरिटी ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर ने सभी संबंधित एजेंसियों को इसकी जानकारी दे दी है और स्टाफ को भी अलर्ट कर दिया गया है। फिलहाल ढ्ढत्रढ्ढ एयरपोर्ट के सभी टर्मिनल, एक्सेस कंट्रोल और व्हीकल चेकिंग पॉइंट पर जांच जारी है। साथ ही पेट्रोलिंग भी बढ़ा दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी कल किसानों के खाते में भेजेंगे 2000 रुपए, 9.75 करोड़ परिवारों को होगा लाभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के तहत वित्तीय लाभ की अगली किस्त 9 अगस्त को दोपहर 12-30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जारी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में इसकी सूचना दी गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है, इससे 9.75 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को 19,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे अकाउंट में ट्रांसफर की जाएगी। इस दौरान पीएम मोदी किसानों के साथ बातचीत भी करेंगे और राष्ट्र को भी संबोधित करेंगे। पीएम-किसान योजना के तहत, किसान परिवारों को 6000 रुपये प्रति वर्ष दिए जाते हैं। ये पैसे 2000 रुपये की तीन समान किश्तों में सीधे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर किए जाते हैं। इस योजना के जरिए अब तक 1.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि किसान परिवारों को भेजी जा चुकी है।

वायरस का प्रकोप: सितंबर से स्कूल खोलने पर कई अमेरिकी राज्यों में दुविधा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज न्यूयार्क

अमेरिका में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैलने के कारण स्कूलों के लिए नई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं। कई राज्य स्कूलों को सितंबर से खोलने के फैसले में बदलाव कर सकते हैं। माता-पिता को छात्रों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प देने पर भी विचार हो रहा है। कई स्कूल जिलों ने एक साल तक रिमोट पढ़ाई के बाद इस साल प्रत्यक्ष शिक्षा देने की योजना बनाई है। लेकिन,अति संक्रामक डेल्टा वैरिएंट ने कुछ जिलों को इस पर फिर से विचार करने के लिए विवश कर दिया है। कुछ राज्यों में स्कूलों में मास्क की जरूरत से प्रतिबंध हटने से स्थिति पेचीदा हो गई है। वैसे, बीमारी नियंत्रण और रोकथाम सेंटरों ने पिछले सप्ताह कहा है कि सभी छात्र और स्टाफ स्कूल के भीतर मास्क पहनें। आयोवा, टेक्सास सहित आठ राज्यों ने मास्क की जरूरत खत्म कर दी है। आयोवा राज्य में डेस मोइंस स्कूल बोर्ड ने बच्चों के क्लास में आने के संबंध में चिंतित परिवारों को ऑनलाइन विकल्प की पेशकश की है। वहीं न्यूयॉर्क शहर ने घोषित किया कि वह सितंबर से ऑनलाइन पढ़ाई खत्म कर केवल क्लास में शिक्षा की सुविधा देगा। लेकिन, इस फैसले से कई अभिभावक सहमत नहीं हैं। पैरेंट्स के संगठन ब्रांक्स पैरेंट लीडर्स ग्रुप ने ऑनलाइन शिक्षा का विकल्प देने का आग्रह किया है।

टेक्सास में आस्टिन स्कूल जिला बोर्ड के प्रमुख एंथोनी मे ने कहा है कि वह किंडरगार्टन से छठवीं कक्षा के छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा का विकल्प देगा। महामारी के बीच स्कूल सुरक्षित नहीं हैं। पहले यहां स्कूल खोलने की योजना थी। क्षेत्र की ट्रेविस काउंटी में कोविड-19 की पॉजिटिविटी दर 14.5त्न है। यह जनवरी के बाद सबसे अधिक है।

संसद का मानसून सत्र:विपक्ष के हल्ला बोल के बीच राज्यसभा में तीसरे हफ्ते 8 बिल पास हुए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र के तीसरे हफ्ते में विपक्षी दलों के हंगामे के बीच 8 विधेयक पास हुए। इससे सदन के कामकाज में बढ़ोतरी हुई। यह दूसरे हफ्ते के 13.70त्न से बढ़कर 24.20त्न हो गया। 19 जुलाई को शुरू हुए सत्र के पहले हफ्ते में कामकाज सबसे ज्यादा 32.20त्न हुआ था। तीसरे हफ्ते में हंगामे की वजह से 21 घंटे, 36 मिनट बर्बाद हुए। राज्यसभा के एक अधिकारी ने बताया कि मानसून सत्र के अभी तक तीन हफ्ते में सदन ने कुल 22.60त्न कामकाज किया है। जो 8 विधेयक पास हुए हैं, उनमें सदन ने 3 घंटे और 25 मिनट का समय लिया।

78.30 घंटे में से 60.28 घंटे हंगामे में बर्बाद हुए: तीसरे हफ्ते राज्यसभा की कार्यवाही के लिए तय 28.30 घंटे के प्रश्नकाल में से 1.41 घंटे काम हुआ। सत्र शुरू होने से अब तक कुल 78.30 घंटे में से 60.28 घंटे हंगामे में बर्बाद हुए। तीन हफ्ते में कुल 17.44 घंटे काम हुआ। 4.49 घंटे विधेयकों पर चर्चा हुई और 3.19 घंटे प्रश्नकाल चला। कोरोना से जुड़े मुद्दों पर 4.37 घंटे तक चर्चा हुई। पहले दो हफ्तों में राज्यसभा की 9 बैठकों के दौरान केवल 1.38 घंटे ही प्रश्नकाल चला था।

बिना बहस के ही पास हुए बिल: दोनों सदनों में हंगामे की वजह से कई बिल बिना बहस के ही पास हुए। यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। सदन स्पीकर ने भी सांसदों को यह बार-बार याद दिलाया, लेकिन कोई खास असर होता नहीं दिखा। विपक्ष के कुछ नेताओं ने भी इस चलन का विरोध किया।

17 दलों के 68 सदस्यों ने विधेयकों पर चर्चा में लिया हिस्सा: आंकड़ों के मुताबिक राज्यसभा में पिछले हफ्ते 17 राजनीतिक दलों के 68 संसद सदस्यों ने विधेयकों पर चर्चा में हिस्सा लिया। नामित और इन 17 दलों के कुल सदस्य राज्यसभा के मौजूदा कुल सदस्यों के 87त्न हैं। जबकि विभिन्न मुद्दों पर हंगामा कर रहे तृणमूल कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल के सदस्यों की संख्या राज्यसभा में 6त्न से कम है।

इन पार्टियों के सदस्य बहस में शामिल हुए: विधेयकों पर चर्चा में अन्नाद्रमुक, आम आदमी पार्टी, बीजू जनता दल , भारतीय जनता पार्टी , कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी , मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी , द्रमुक, जनता दल यूनाइटेड , राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी , राष्ट्रीय जनता दल , , शिवसेना, तेलुगु देशम पार्टी, , तेलंगाना राष्ट्र समिति और ङ्घस्क्र कांग्रेस के सदस्यों ने हिस्सा लिया।

अफगानिस्तान में संघर्ष जारी:तालिबान ने जेल तोड़ 700 लड़ाकों को छुड़ाया, शरिया कानून लागू

संघर्ष के दो महीने में लोगों की जिंदगी बदतर हुई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

अफगानिस्तान की सेना और तालिबान के बीच संघर्ष बढ़ता जा रहा है। तालिबान ने शुक्रवार को शेबरगान सिटी में एक जेल पर हमलाकर यहां बंद 700 लड़ाकों को छुड़ा लिया। साथ ही देश के तीन प्रांतों में शरिया कानून लागू कर दिया। दूसरी तरफ, तालिबान से संघर्ष की शुरुआत से अब तक दो माह में करीब तीन लाख अफगानी अपने ही देश में बेघर हो गए हैं। करीब 40 हजार अफगानियों को जान बचाकर ईरान जाना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबानी हमलों से बचने के लिए अफगानिस्तान के कई परिवार दूसरे स्थानों पर चले गए। हालांकि, खतरे के बावजूद कई लोग विदेश से देश भी लौटे हैं। इनमें उन लोगों की बड़ी तादाद है, जिन्हें पाकिस्तान और ईरान ने कोरोना के कारण अपने यहां से निकाल दिया।

तालिबान से लड़ने के लिए महिला गवर्नर की 'फौज': बाल्ख प्रांत की महिला गवर्नर सलीमा माजरी ने तालिबान से लड़ने के लिए 600 लोगों की फौज तैयार की है, जो प्रांत के चारों ओर तैनात हैं। इन्होंने म?वेशी बेचकर हथियार और जरूरी सामान खरीदा है।

तालिबान का फतवा- लड़कियां बाहर दिखीं तो उठा ले जाएंगे: तालिबान ने बदख्शां, तखर और गजनी प्रांत में फतवा जारी कर दिया है। उसने कहा है कि अगर 12 साल से अधिक उम्र की लड़कियां और विधवा महिलाएं घर के बाहर अकेली दिखीं, तो तालिबान के लड़ाके उन्हें उठाकर ले जाएंगे। अफगान महिलाओं पर इस्लामी शरिया कानून लागू होगा। तालिबान ने यह कानून 1996-2001 के दौरान भी लागू कर रखा था। तब तालिबान का अफगानिस्तान पर कब्जा था।

हेलमंद प्रांत में 30 पाकिस्तानी समेत 112 तालिबानी आतंकी ढेर: अफगान सेना ने हेलमंद प्रांत में 30 पाकिस्तानी समेत 112 तालिबानी आतंकियों को मार गिराया है। मारे गए सभी पाकिस्तानी आतंकी संगठन अलकायदा के सदस्य थे। ये लोग तालिबान की मदद कर रहे थे। अफगान सेना ने लश्करगाह शहर में हवाई हमले किए थे। हमले में 31 आतंकी घायल भी हुए हैं। उधर, अफगान सेना ने 24 घंटे में कंधार, हेरात समेत 15 से ज्यादा प्रांतों में 385 तालिबानी आतंकियों को मार गिराया है।

गुरुद्वारे पर निशान साहिब सम्मान के साथ बहाल: पख्तिया प्रांत में एक गुरुद्वारे की छत पर निशान साहिब को फिर सम्मान के साथ बहाल कर दिया गया है। इंडियन वर्ल्ड फोरम के अध्यक्ष पुनीत सिंह चंडोक ने यह जानकारी दी। तालिबान ने निशान साहिब को हटा दिया था।

विदेशों से आए लोगों पर कोरोना की मार, मशक्कत के बाद भी देश में नहीं मिल रहा रोजगार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोविड की वजह से खाड़ी देशों से भारत वापस आए कामगारों को रोजगार के लिए काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। बड़ी संख्या में लोग रोजगार पाने की कतार में हैं, लेकिन कई राज्य सरकारों के ऐलान के बावजूद उन्हें काम नही मिल पा रहा है। विदेश मंत्रालय के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कोविड के दौरान खाड़ी देशों से सात लाख 16 हजार से ज्यादा भारतीय कामगार वापस देश लौटे हैं। जून तक के आंकड़ों के मुताबिक करीब 31 हजार लोगों ने स्वदेश कौशल कार्ड के लिए पंजीकरण कराया। एएसईईएम पर पंजीकृत नियोक्ताओं ने करीब 6704 लोगों से रोजगार के लिए संपर्क किया है। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारों की अलग-अलग स्थिति का डेटाबेस मंत्रालय के पास उपलब्ध नही है। लेकिन मैपिंग पोर्टल से साफ संकेत मिल रहा है कि अपेक्षा के मुताबिक रोजगार के अवसर उपलब्ध नही हो पाए हैं। सूत्रों का कहना है कि कोविड की वजह से देश मे रोजगार के अवसर सीमित हुए थे। देश में काम कर रहे लोगों की नौकरी गई।

आजादी का जश्न होगा दोगुना जब भारत लगाएगा एक और बड़ी छलांग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

स्वतंत्रता दिवस का जश्न इस बार दोगुना होने वाला है, क्योंकि भारत आसमान में एक और छलांग लगाने को तैयार है। आजादी के जश?न की तैयारियों के बीच 12 अगस्त को इसरो अंतरिक्ष में भारत का निगहबान तैनात करने वाला है। दरअसल, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अगले सप्ताह जीएसएलवी-एफ 10 के जरिए धरती पर निगरानी रखने वाले उपग्रह ईओएस-03 का प्रक्षेपण किया जाएगा। इसके प्रक्षेपण से

भारत को काफी फायदा मिलने वाला है। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, इसरो ने कहा कि प्रक्षेपण 12 अगस्त को सुबह पांच बजकर 43 मिनट पर किया जाएगा। हालांकि यह मौसम संबंधी स्थिति पर निर्भर करेगा। ईओएस-03 अति उन्नत उपग्रह है, जिसे जीएसएलवी एफ 10 यान की मदद धरती की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। अगर यह परीक्षण सफल होता है तो भारत की ताकत में और इजाफा होगा और मौसम संबंधी गतिविधियों को समझने में और आसानी होगी। बताया जा रहा है कि जीएसएलवी उड़ान उपग्रह को 4 मीटर व्यास-ओगिव आकार के पेलोड फेयरिंग में ले जाएगी, जिसे रॉकेट पर पहली बार उड़ाया जा रहा है, जिसने अब तक अंतरिक्ष में उपग्रह और साझेदार मिशनों को तैनात करने वाली 13 अन्य उड़ानें संचालित की हैं। इसके बारे में कहा जा रहा है कि ईओएस-03 उपग्रह एक दिन में पूरे देश की चार-पांच बार तस्वीर लेगा, जो मौसम और पर्यावरण परिवर्तन से संबंधित प्रमुख डेटा भेजेगा। इतना ही नहीं, यह श्वह्रस्-03 उपग्रह भारतीय उपमहाद्वीप में बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं की लगभग रीयल टाइम निगरानी में सक्षम होगा क्योंकि यह प्रमुख पर्यावरणीय और मौसम परिवर्तनों से गुजरता है। बता दें कि इससे पहले 28 फरवरी को इसरो ने साल के पहला मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। भारत का रॉकेट 28 फरवरी को श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से पहली बार ब्राजील का उपग्रह लेकर अंतरिक्ष रवाना हो हुआ था।

पेगासस कांड पर संसद में गतिरोध खत्म करने के लिए प्रधानमंत्री करें हस्तक्षेप: राजद सांसद मनोज झा

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी कांड पर चर्चा की मांग को लेकर संसद का मॉनसून सत्र लगातार हंगामे की भेंट चढ़ रहा है। इस बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता मनोज कुमार झा ने रविवार कहा कि सरकार संसद में पेगासस गतिरोध पर वार्ता के रास्ते बंद कर रही है और मुद्दे के समाधान के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हस्तक्षेप करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद के व्यर्थ गए समय के बदले मानसून सत्र का विस्तार किया जाना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य झा ने इस बात के लिए भी सरकार की आलोचना की कि वह बार-बार जोर देकर यह कह रही है कि विपक्षी दलों के साथ संवाद कायम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं होता कि आप जेब में हाथ डालकर, चेहरे पर कठोर भाव बनाकर कहें कि हमारे पास देने को बस यही है, कुछ और नहीं। मनोज कुमार झा ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, %संवाद कायम करने की आड़ में वे वार्ता के लिए दरवाजे बंद कर रहे हैं। मैंने कई बार यह कहा है कि संवाद बनाने की जिम्मेदारी जिन तथाकथित लोगों को दी गई, संभवत- उनके पास किसी तरह की ठोस पेशकश देने का अधिकार नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

इटली के टेनिस खिलाड़ी ने किया नियमों का उल्लंघन, टूर्नामेंट से किया बाहर

टोरंटो। इटली के एक खिलाड़ी को कोविड-19 से जुड़े जैव सुरक्षित वातावरण का उल्लंघन करने के कारण टोरंटो में चल रहे एक टेनिस टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया है। टेनिस कनाडा और एटीपी पुरुष टूर ने शनिवार को घोषणा की कि विश्व में 60वें रैंकिंग के खिलाड़ी लोरेंजो मुसेटी को नेशनल बैंक ओपन में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने जून में ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंटों में पदार्पण करते हुए फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में जगह बनाई थी। चौथे दौर के मैच में उन्होंने यहां तक एक समय विश्व के नंबर एक नोवाक जोकोविच पर 2 सेट की बढ़त बना रखी थी। जोकोविच ने हालांकि मैच में वापसी की और जब मुसेटी ने पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण हटने का निर्णय किया था तब सर्बियाई खिलाड़ी 6-7 (7), 6-7 (2), 6-1, 6-0, 4-0 से जीत के करीब था। नेशनल बैंक ओपन में मुसेटी की जगह मैक्स पुरसेल को जगह दी गई है।

रानी ने वंदना के परिवार के खिलाफ कथित जातिवादी अपशब्दों पर कहा- कितना शर्मनाक है यह

टोक्यो। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने शनिवार को साथी खिलाड़ी वंदना कटारिया के परिवार के लिए की गई कथित जातिवादी अपशब्दों की निंदा की और इन्हें शर्मनाक करार दिया। वंदना ने ओलंपिक के दौरान चार गोल किये थे लेकिन बुधवार को अर्जेंटीना के खिलाफ सेमीफाइनल में भारतीय महिला टीम के हारने के बाद उनके परिवार को हरिद्वार में कथित रूप से जातिवादी अपशब्द कहे गए थे। रानी ने कहा कि जो कुछ हुआ, वह बहुत खराब है। हम अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिये इतनी कड़ी मेहनत करते हैं। इस तरह धर्म, जाति के आधार पर भेदभाव करना बंद कीजिए क्योंकि हम इन सभी चीजों से ऊपर काम करते हैं। भारतीय महिला टीम कांस्य पदक के प्ले-ऑफ में ग्रेट ब्रिटेन से 3-4 से हारकर चौथे स्थान पर रहीं। रानी ने कहा, ''हम भारत के विभिन्न हिस्सों से आते हैं, विभिन्न धर्मों के हैं। लेकिन जब हम यहां आते हैं तो हम भारत के लिये काम करते हैं। लोगों का इस तरह का व्यवहार शर्मनाक है।

श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला खेलकर लय हासिल की : जो रूट

नॉटिंघम। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से उन्हें अपनी बल्लेबाजी की लय हासिल करने में मदद मिली जिससे उन्होंने यहां भारत के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में शतक लगाकर अपनी टीम की जीत की उम्मीदों को बरकरार रखा है। पिछले पांच टेस्ट मैचों अर्धशतकीय पारी खेलने में नाकाम रहे रूट ने इस मैच की पहली पारी में 64 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 109 रन बनाए। टेस्ट में उनकी 21वीं शतकीय पारी से इंग्लैंड की टीम 300 रनों के आंकड़े को पार करने में सफल रही।

साल की उम्र से कुश्ती लड़ रहे हैं बजरंग

कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में गोल्ड मेडलिस्ट रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

7 साल की उम्र में अखाड़े में कदम रखने वाले बजरंग पूनिया ने टोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता है। उन्होंने तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में कजाकिस्तान के दौलत नियाजबेकोव को 8-0 से हराया। बजरंग का जन्म हरियाणा के झज्जर जिले के खुदन गांव में हुआ था। उनके पिता बलवान सिंह भी पहलवान हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर तक नहीं पहुंच पाए। बेटे को ओलिंपिक भेजने का सपना देखने वाले बलवान सिंह ने बजरंग को 7 साल की उम्र में ही अखाड़े में कुश्ती के दांव-पेंच सीखने के लिए भेजना शुरू कर दिया। बजरंग की जीत के बाद उनके पिता ने कहा कि मैं खुशी बयान नहीं कर सकता। मेरे बेटे ने मेरा सपना पूरा कर दिया।

ओलिंपिक खेलने से पहले रोम में गोल्ड जीता:- बजरंग पूनिया ने सोनीपत में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के रीजनल सेंटर से ट्रेनिंग की है। उनका परिवार भी सोनीपत में रहता है। इसी साल मार्च में रोम में हुई माटेओ पेलिकोन रैंकिंग सीरीज में गोल्ड जीतकर बजरंग पूनिया ने यह जता दिया कि वे ओलिंपिक के लिए तैयार हैं। बजरंग वर्ल्ड अंडर-23 चैंपियनशिप, कॉमनवेल्थ गेम्स, एशियन गेम्स, एशियन चैंपियनशिप और वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीत चुके हैं। उन्हें पद्मश्री, अर्जुन पुरस्कार और खेल रत्न से सम्मानित किया जा चुका है।

2013 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में जीता पहला मेडल:- बजरंग ने सीनियर लेवल पर अपना पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल 2013 में 60 किलोग्राम वेट कैटेगरी में जीता था। उन्होंने हंगरी में हुए इस टूर्नामेंट में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। 2018 में उन्होंने बुडापेस्ट में हुई वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में सिल्वर जीता।

जापान की हिमावारी अकाहो (88) ने जापान के सैतामा में 2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में महिलाओं के बास्केटबॉल स्वर्ण पदक के खेल के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका की डायना तौरसी (12) को पीछे छोड़ दिया।

गोल्डन बॉय का इंटरव्यू : नीरज चोपड़ा ने कहा-

स्पोर्ट्स और देश के लिए मेडल जीतना प्लान का हिस्सा था ही नहीं, इत्तेफाक से जेवलिन फेंकना शुरू किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

ओलिंपिक में 87.58 मीटर जेवलिन फेंककर देश के लिए गोल्ड जीतने वाले नीरज चोपड़ा का कहना है कि खेल उनकी प्लानिंग में था ही नहीं। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स, देश के लिए खेलने या मेडल जीतने के बारे में कभी सोचा ही नहीं था। मेरे परिवार या मेरे गांव में भी कोई स्पोर्ट्स में नहीं था। न्यूज एजेंसी ह्ढ्ढ को दिए इंटरव्यू में नीरज ने कहा कि ये केवल इत्तेफाक था कि मैं स्टेडियम गया और जेवलिन फेंकना शुरू किया। मैंने कड़ी मेहनत की और हर किसी ने मेरा सपोर्ट किया।

गोल्ड मेडल पक्का होने तक रिलैक्स नहीं था

गोल्ड मेडल विजेता बोले, मैं ओलिंपिक में अपना बेस्ट देना चाहता था। गोल्ड मेडल पक्का होने तक मैं रिलैक्स नहीं हो पाया, क्योंकि दूसरे प्लेयर बेहतर कर सकते थे। कॉम्पिटिशन के लिए मेंटली प्रिपेयर होना जरूरी होता है।

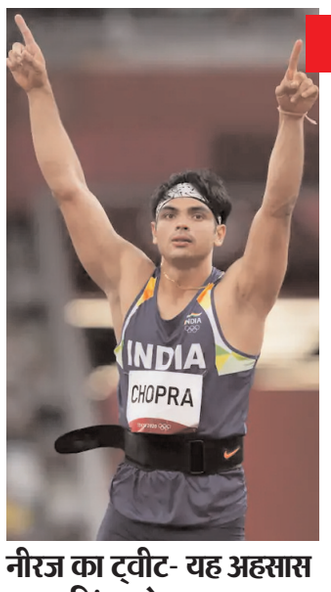

नीरज का ट्वीट- यह अहसास ताउम्र जिंदा रहेगा

नीरज ने रविवार को एक ट्वीट किया है। उन्होंने लिखा- अभी भी वह अहसास जारी है। पूरे भारत और सभी को समर्थन और दुआओं के लिए शुक्रिया। इसकी मदद से ही मैं इस स्टेज तक पहुंच पाया हूं। यह पल मेरे साथ हमेशा जिंदा रहेगा।

पोडियम पर खड़े होने का अहसास शब्दों में बयां नहीं कर सकता

एक न्यूज चैनल से बातचीत में नीरज ने कहा, मेडल जीतने के बाद पोडियम पर खड़े होने का अहसास अलग था। राष्ट्रगान बज रहा था। इसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता। कड़ी मेहनत की थी, मुश्किलें भी आईं, लेकिन जब कामयाबी मिली, तो ऐसे मौके पर थोड़ा इमोशनल हो गया था। ओलिंपिक के दौरान नींद ठीक से नहीं आई। पहले दो-तीन दिन तो बहुत दिक्कत हुई। कल ठीक से सोया। खुशी तो थी ही और थकावट भी थी। मेडल तकिये के पास रखकर सोया। काफी गहरी नींद आई।

मिल्खा सिंह को डेडीकेट किया गोल्ड

नीरज ने पदक जीतने के बाद कहा था, 'मैं अपने गोल्ड मेडल को महान मिल्खा सिंह को समर्पित करता हूं। वे शायद मुझे स्वर्ग से देख रहे होंगे। मैं मेडल के साथ मिल्खा सिंह से मिलना चाहता था। मैं जानता था कि आज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। मैं ओलिंपिक का रिकॉर्ड तोड़ना चाहता था, शायद इसी वजह से अच्छा प्रदर्शन कर पाया।

पीटी ऊषा ने कहा- मेरा सपना पूरा किया

नीरज की कामयाबी पर उड़नपरी पीटी ऊषा ने कहा कि आज मेरा 37 साल पुराना सपना पूरा हुआ। वह सपना जो अधूरा रह गया था। थैंक यू माय सन।

बिंद्रा ने गोल्डन क्लब में स्वागत किया:- नीरज से पहले ओलिंपिक गेम्स के इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने का कारनामा सिर्फ निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने किया था। उन्होंने 2008 बीजिंग ओलिंपिक में 10 मीटर एयर राइफल का गोल्ड जीता था। बिंद्रा ने लिखा- और गोल्ड नीरज का हुआ। आपको सलाम। आपने देश के सपने को पूरा किया। शुक्रिया। साथ ही गोल्डन क्लब में आपका स्वागत है। इसकी बहुत जरूरत थी। आप पर गर्व है।

नीरज के गोल्ड का जश्न

गावस्कर और टेनिस प्लेयर सोमदेव ने गाया- नीरज चोपड़ा जस्ट 20 ईयर ओल्ड एंड ब्रिंगिंग होम द गोल्ड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा को बधाइयां देने का सिलसिला खत्म नहीं हुआ है। पूरा देश उन पर गर्व कर रहा है और उन पर सौगातों की बरसात हो रही है। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर और टेनिस प्लेयर सोमदेव वर्मन ने अपने ही अंदाज में नीरज को बधाई दी है। सोमदेव, गावस्कर ने अपने साथियों के साथ नीरज के लिए एक सॉन्ग गाया। इस गाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें सुनील गावस्कर कह रहे हैं कि सोमदेव ने नीरज के लिए एक सॉन्ग गाने का फैसला किया है और हम सब उनका साथ देंगे। इस गाने की लाइनें हैं- नीरज चोपड़ा जस्ट 20 ईयर ओल्ड। नीरज चोपड़ा इज आलसो वेरी बोल्ड। नीरज चोपड़ा इज ब्रिंगिंग अस अ गोल्ड।

सहवाग ने कहा- वो रॉकेट हैं:- वीरेंद्र सहवाग ने सोशल मीडिया पर नीरज को बधाई दी है। उन्होंने लिखा- वो रॉकेट हैं। हम लोगों को इतनी खुशी देने के लिए आपका शुक्रिया।

चेन्नई सुपर किंग्स देगी एक करोड़ कैश:- आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स ने नीरज चोपड़ा को एक करोड़ रुपए कैश देने का ऐलान किया है। ष्टस्थ्य ने कहा- भारतीयों के तौर पर हमें नीरज चोपड़ा पर फख्र है।

टोक्यो, जापान में 2020 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में पुरुषों के वाटर पोलो मैच के वर्गीकरण दौर में मोंटेनेग्रो पर जीत के बाद जश्न मनाते इटली के खिलाड़ी।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की असफलता के बाद इस बदलाव से मिला लाभ : बुमराह

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नाटिंघम

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिये कोई विशेष तैयारियां नहीं की लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के बाद मानसिकता में बदलाव और केवल वर्तमान के बारे में सोचने से उन्हें लाभ मिला। बुमराह इस श्रृंखला से पहले साउथम्पटन में खेले गए डब्ल्यूटीसी फाइनल में विकेट नहीं ले पाए थे लेकिन उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में शानदार गेंदबाजी की तथा पहली पारी में 46 रन देकर चार और दूसरी पारी में 64 रन देकर पांच विकेट लिए। बुमराह से जब टेस्ट श्रृंखला की तैयारियों के बारे

में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो बहुत अधिक बदलाव नहीं करने पड़े केवल मानसिकता में थोड़ा बदलाव करना पड़ा। संभवतः यह परिणाम पर ध्यान न देकर वर्तमान में जीने, अपने कौशल पर भरोसा करने और क्रिकेट का लुत्फ उठाने से जुड़ा है। भारत डब्ल्यूटीसी फाइनल में न्यूजीलैंड से आठ विकेट से हार गया था। इसमें बुमराह ने पहली पारी में 57 और दूसरी पारी में 35 रन दिए लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिला था। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद बुमराह ने पत्रकारों से कहा, 'मैंने बहुत अधिक बदलाव नहीं किए और न ऐसा करना चाहता हूं। मैं हमेशा अपने खेल में सुधार करने की कोशिश करता रहा हूं और उसमें नयी चीजें जोड़ने का प्रयास करता हूं। इसके साथ उन चीजों को लेकर आगे बढ़ना चाहता हूं जो अभी मेरे पास हैं। भारत को पहला टेस्ट मैच जीतने के लिए 157 रन की आवश्यकता है और उसके 9 विकेट बचे हुए हैं। बुमराह ने कहा कि टीम बहुत आगे के बारे में नहीं सोच रही और सत्र दर सत्र आगे बढ़ना चाहती है। उन्होंने कहा, 'जब आप मैच खेलना शुरू करते हैं तो आपको स्वयं पर विश्वास होना चाहिए कि आप जीतना चाहते हैं और जीत के लिये खेलना चाहते हैं लेकिन हम बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना चाहते। हमने अच्छी शुरुआत की है और सत्र दर सत्र आगे बढ़ना चाहते हैं। इंग्लैंड को पहली पारी में 183 रन पर आउट करने के बाद भारत ने केएल राहुल के 84 और रविंद्र जडेजा के 56 रन की मदद से 278 रन बनाकर 95 रन की बढ़त हासिल की। कप्तान जो रूट के 109 रन के बावजूद इंग्लैंड दूसरी पारी में 303 रन ही बना पाया जिससे भारत को 209 रन का लक्ष्य मिला। भारत ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट पर 52 रन बनाए हैं और वह लक्ष्य से 157 रन दूर है।

न्यूज ब्रीफ

अगस्त के पहले सप्ताह में बिजली की खपत 9.3 प्रतिशत बढ़कर 28.08 अरब यूनिट पर

नई दिल्ली। राज्यों द्वारा लॉकडाउन अंकुशों में ढील के बाद से देश में बिजली की खपत अगस्त के पहले सप्ताह में 9.3 प्रतिशत बढ़कर 28.08 अरब यूनिट (बीयू) पर पहुंच गई। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एक से सात अगस्त, 2020 के दौरान बिजली की खपत 25.69 अरब यूनिट रही थी। यह महामारी से पहले एक से सात अगस्त, 2019 में 25.18 अरब यूनिट रही थी। पिछले साल पूरे अगस्त माह में बिजली की खपत 109.21 अरब यूनिट रही थी, जो 2019 के अगस्त के 111.52 अरब यूनिट के आंकड़े से कम है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगस्त के पहले सप्ताह में बिजली की मांग में सतत सुधार हुआ है तथा राज्यों द्वारा अंकुशों में ढील के बाद आर्थिक गतिविधियों में तेजी से बिजली की मांग और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में वाणिज्यिक एवं औद्योगिक मांग से बिजली की मांग तथा खपत में और सुधार देखने को मिलेगा। इस साल अप्रैल से बिजली की व्यावसायिक तथा औद्योगिक मांग राज्यों द्वारा लगाए गए अंकुशों से प्रभावित हुई थी। अगस्त के पहले सप्ताह में व्यस्त समय की पूरी की गई बिजली की मांग या दिन में बिजली की सबसे अधिक आपूर्ति 188.59 गीगावॉट की रही। यह पिछले साल समान अवधि में दर्ज 165.42 गीगावॉट के आंकड़े से 14 प्रतिशत अधिक है। अगस्त, 2020 के पूरे महीने में व्यस्त समय की पूरी की गई बिजली की मांग 167.52 गीगावॉट थी। यह 2019 के समान महीने के 177.52 गीगावॉट के आंकड़े से कम है।

डिविस लैब का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 13 प्रतिशत बढ़कर 557 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। दवा कंपनी डिविस लैबोरेटरीज का एकीकृत शुद्ध लाभ 30 जून को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 13 प्रतिशत बढ़कर 557 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 492 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 1,997 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,748 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसका फॉरेक्स लाभ 20 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले समान अवधि में पांच करोड़ रुपये रहा था।

शेयर बाजार के लिए अहम होंगे घरेलू आर्थिक आंकड़े,

इस हफ्ते निवेशकों को फिर मिलेंगे 4 आईपीओ में पैसा लगाने का मौका

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

शेयर बाजार के लिए यह हफ्ता अहम रहने वाला है। इसमें कंपनियां तिमाही नतीजे तो जारी करेंगी ही, साथ ही जुलाई के घरेलू आर्थिक आंकड़ों और ग्लोबल ट्रेंड भी असर रहने वाला है। ऐसे में निवेशकों की नजर जुलाई में महंगाई और जून में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन पर रहने वाला है।

महंगाई के आंकड़ों पर होगी नजर

महंगे कच्चे तेल और सप्लाई में रुकावट से प्राइस पर दबाव होगा। इस पर रिजर्व बैंक यानी RBI ने रिटेल महंगाई दर 5.1 फीसदी बढ़ाकर 5.7 फीसदी कर दिया है। अनुमान पर कोरोना की दूसरी लहर का भी असर रहा। नतीजतन, 2021-22 के लिए वृष्ठक्क ग्रोथ रेट 9.5 फीसदी रहने का अनुमान दिया गया है।

तिमाही नतीजों से स्टॉक में रहेगी हलचल:- सैमको सिक्योरिटीज की इक्विटी रिसर्च हेड निराली शाह ने कहा कि इस हफ्ते सबकी नजर इकोनॉमिट डेटा और कंपनियों के नतीजों पर रहने वाली है। इसमें बाजार की नजर इंडस्ट्रियल नजर से लेकर महंगाई दर पर होगी। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्शन पर फोकस रहने वाला है। तिमाही नतीजों की बात करें तो इसमें MRF, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, ल्यूपिन, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, ONGC समेत अन्य शामिल हैं।

कच्चे तेल और विदेशी निवेश पर होगी बाजार की नजर

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेस के रिसर्च हेड विनोद नायर भी मानते हैं कि निवेशकों के लिए महंगाई और प्रोडक्शन के आंकड़े काफी अहम होंगे। इसके अलावा विदेशी निवेश का फ्लो और कच्चे तेल का भाव समेत डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल भी काफी अहम होगा। इस हफ्ते सेंसेक्स 1,690 पॉइंट या 3.2 फीसदी चढ़ा। इस दौरान 5 अगस्त को इंडेक्स पहली बार 54,717 पॉइंट तक भी पहुंचा, जो इंडेक्स लाइफ टाइम हाई भी है। दूसरी ओर, रिलायंस सिक्योरिटीज के स्ट्रैटेजी हेड बिनोद मोदी कहते हैं कि तिमाही नतीजों के अलावा मानसून में प्रोग्रेस और देश में कोरोना संक्रमितों की संख्या पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा।

निवेशकों को निवेश के लिए आईपीओ में निवेश का मौका

इस हफ्ते निवेशकों को 4 आईपीओ में पैसा लगाने का मौका मिलेगा। इसमें नुवोको विस्टा, कार ट्रेड, अप्टस वैल्यू हाउसिंग फाइनेंस और केमप्लास्ट शामिल हैं। इनमें से 2 आईपीओ में निवेशक 9 अगस्त से पैसाल लगा सकते हैं। इसके बाद 2 आईपीओ 10 अगस्त से खुलेंगे। पिछले हफ्ते 4 कंपनियों के आईपीओ बंद हुए थे, जो 22 गुना से ज्यादा भरे। इन आईपीओ में एक्सारो टाइल्स, विंडलास बायो, देवयानी इंटरनेशनल और क्रष्णा डायग्नोस्टिक्स शामिल रहे। आईपीओ को अच्छे रिस्पांस की वजह रिटेल निवेशक रहें, क्योंकि इनके लिए रिजर्व हिस्सा 22 से 41 गुना तक भरा।

एसयूवी मॉडलों के जरिये भारतीय बाजार में अपनी पैठ और मजबूत कर रही है हुंदै

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हुंदै मोटर इंडिया को उम्मीद है कि कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद व्यक्तिगत या निजी वाहनों की मांग बढ़ने के साथ वह घरेलू बाजार में अपनी पहुंच को और मजबूत कर पाएगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। विशेषरूप से कंपनी अपने एसयूवी मॉडलों के जरिये भारतीय बाजार में पैठ को मजबूत करने की तैयारी कर रही है। वेन्यू, क्रेटा, टूसों और हाल में पेश अल्काजार मॉडल के साथ हुंदै पहले ही देश के एसयूवी वाहन बाजार की अग्रणी कंपनी बनी हुई है। कंपनी का कहना है कि हर बीतते महीने के साथ एसयूवी बाजार में उसकी हिस्सेदारी बढ़ रही है। हुंदै मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) के निदेशक-बिक्री, विपणन, सेवा तरुण गर्ग ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''घरेलू बाजार में एसयूवी को लेकर मजबूत रुख कायम है। प्रत्येक बीतते महीने के साथ घरेलू यात्री वाहन बाजार में एसयूवी की बाजार हिस्सेदारी बढ़ रही है। जुलाई में एसयूवी की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत से अधिक थी। जनवरी-जुलाई कीअवधि में यह करीब 36 प्रतिशत थी।'' गर्ग ने कहा कि घरेलू बाजार में कंपनी की एसयूवी मॉडलों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। कंपनी के नए एसयूवी मॉडल अल्काजार के बाद बिक्री और बढ़ी है। उन्होंने कहा, ''जिस तरह से चीजें चल रही हैं, उससे पता चलता है कि निजी वाहनों की मांग बढ़ रही है। कोविड-19 की दूसरी लहर के बाद मांग काफी तेजी से लौट रही है।'' गर्ग ने कहा कि इस समय शहरी के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों से भी मांग आ रही है। पहली लहर के बाद मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों से मांग आ रही थी। उन्होंने कहा कि जून में पेश अल्काजार की वजह से कंपनी की बिक्री बढ़ी है। अल्काजार की वजह से कंपनी के क्रेटा मॉडल की बिक्री प्रभावित नहीं हुई है। पिछले साल हमने हर महीने क्रेटा की 8,000 इकाइयां बेचीं। इस दौरान एसयूवी मॉडलों की कुल बिक्री 15,000 इकाई की रही। ''इस साल पहली तिमाही में क्रेटा की मासिक बिक्री का आंकड़ा 12,500 इकाई पर पहुंच गया है। एसयूवी की कुल बिक्री 23,800 इकाई रही है। जुलाई में एसयूवी की कुल बिक्री का आंकड़ा 24,000 इकाई को पार कर गया।'' उन्होंने बताया कि पिछले महीने क्रेटा की बिक्री 13,000 इकाइयों की रही। इस दौरान कंपनी ने अल्काजार की 3,000 इकाइयां बेचीं।

सरसों तेल में गिरावट, बिनौला में सुधार बाकी तेल-तिलहनों के भाव अपरिवर्तित

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में सामान्य कारोबार के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को मांग होने के बावजूद सरसों तेल कीमतों में गिरावट आई बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशी बाजारों में कारोबार का रुख सामान्य था लेकिन मांग कमजोर थी। उन्होंने कहा कि सरसों तेल में जो गिरावट है वह सामान्य घट बढ़ का हिस्सा है जबकि बाजार में सरसों की चौतरफा मांग है। पशुचारे और मुर्गीदाने के लिए भी सरसों और बिनौला खली की भी अच्छी मांग है। उन्होंने कहा कि आगामी त्योहारों और सर्दियों के शुरू होते ही हरी सब्जियों के लिए सरसों की मांग बढ़ेगी। इसे देखते हुए सरकार को अभी से इस विषय पर ध्यान देना होगा

आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री का प्रबंधन करने की दौड़ में सात कंपनियां

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

आईडीबीआई बैंक की रणनीतिक बिक्री का प्रबंधन करने की दौड़ में जेएम फाइनेंशियल ये कंपनियां लोक संपत्ति एवं प्रबंधन विभाग (दीपम) के समक्ष 10 अगस्त को वर्चुअल प्रस्तुतीकरण देंगी। दीपम की ओर से जारी नोटिस से यह जानकारी मिली है। आईडीबीआई बैंक की रणनीति बिक्री में सौदा सलाहकार की भूमिका के लिए डेलॉयट टच तोहमात्सु इंडियन एलएलपी, अनर्स्ट एंड यंग एलएलपी, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेएम फाइनेंशियल लि., केपीएमजी, आरबीएसए कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी तथा एसबीआई कैपिटल मार्केट्स ने बोली लगाई है। फिलहाल 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ आईडीबीआई बैंक में एलआईसी का प्रबंधकीय नियंत्रण है। बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 45.48 प्रतिशत है। गैर-प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 5.29 प्रतिशत है। बैंक में कितनी हिस्सेदारी का विनिवेश होना है, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। सरकार ने इस साल जून में आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के प्रबंधन के लिए प्रतिष्ठित पेशेवर सलाहकार कंपनियों/निवेश बैंकरों/मर्चेंट बैंकरों/ वित्तीय संस्थानों/ बैंकों आदि से बोलियां आमंत्रित की थीं। बोली जमा कराने की अंतिम तिथि 13 जुलाई थी जिसे बढ़ाकर 22 जुलाई किया गया था।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

नई सुविधा:गैस कनेक्शन के लिए अब नहीं लगाने होंगे एजेंसी के चक्कर, एक मिस्ड कॉल से मिलेगा कनेक्शन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नया LPG गैस कनेक्शन लेने के लिए अब आपको गैस एजेंसी के चक्कर नहीं काटने होंगे। अब सिर्फ एक मिस्ड कॉल पर आपको LPG कनेक्शन मिल जाएगा। सरकारी ऑयल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने LPG कनेक्शन के लिए नई सुविधा शुरू की है।

कैसे मिलेगा कनेक्शन?

अब एक मिस्ड कॉल के जरिए इंडेन का कनेक्शन ले सकते हैं। इसके लिए आपको 8454955555 पर मिस्ड कॉल देना होगा। इसके बाद इंडेन आपसे संपर्क करेगी। कनेक्शन के लिए आपको एड्रेस प्रूफ के लिए डॉक्यूमेंट और आधार की जानकारी देनी होगी।

एक मिस्ड कॉल से बुक कर सकेंगे सिलेंडर

मौजूदा इंडेन ग्राहक अपने रजिस्टर्ड फोन नंबर से 8454955555 पर मिस्ड कॉल देकर रिफिल भी बुक कर सकते हैं। एक ही नंबर पर नया कनेक्शन लेने और रिफिल बुक करने की सुविधा मिलेगी।

बिना एड्रेस प्रूफ के मिलेगा नया कनेक्शन

LPG गैस कनेक्शन अब आपको एड्रेस प्रूफ की जरूरत नहीं होगी। नए नियम के तहत अगर परिवार में माता-पिता, भाई-बहन या किसी भी दूसरे रिश्तेदार के नाम पर पहले से कोई गैस कनेक्शन लिया हुआ है तो, परिवार के दूसरे सदस्य भी इसी पते का फायदा ले सकते हैं।

इस पते को वेरिफाई करवाना होगा। परिवार में जिस तेल मार्केटिंग कंपनी का गैस सिलेंडर आता है, उसकी गैस एजेंसी में जाना होगा और पहले वाले गैस कनेक्शन से जुड़े डॉक्यूमेंट देने होंगे। वेरिफिकेशन के बाद नया गैस कनेक्शन मिल जाएगा।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।